Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 09 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, मंगलवार 17 जून 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

आत्मीयता की बात जड़ से नहीं चेतन से होती है।
Own ness pertains to living one not to non-soul.
आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

इसरो के पूर्व वैज्ञानिक नेल्लई सु. मुथु का निधन

तिरुनेलवेली (आरएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व वैज्ञानिक नेल्लई सु. मुथु का सोमवार 16 जून को तिरुवनंतपुरम में निधन हो गया. वह 74 वर्ष के थे. बताया जाता है कि पिछले कुछ दिनों से उनका स्वास्थ्य खराब चल रहा था. नेल्लई सु.मुथु मूल रूप से तिरुनेलवेली के रहने वाले थे. इसरो में काम करने के बाद तिरुवनंतपुरम में बस गए. इसके बाद वे कुछ सालों तक मदुरै जिले में अपनी बेटी के घर पर रहे. उनका पार्थिव शरीर मदुरै में उनकी बेटी के घर लाया जाएगा और अंतिम संस्कार किया जाएगा.

केबिनेट बैठक 18 जून को मुख्यमंत्री निवास में

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार 18 जून 2025 को सुबह 10 बजे राज्य मंत्रिपरिषद (केबिनेट) की बैठक मुख्यमंत्री के निवास कार्यालय सिविल लाइन रायपुर में आयोजित होगी।

अमिताभ कांत ने जी20 शेरपा के पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमिताभ कांत ने सोमवार को जी20 शेरपा के पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने जी20 शेरपा, नीति आयोग के सीईओ, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग के सचिव समेत कई अन्य पदों पर 45 वर्षों तक समर्पित सरकारी सेवा के बाद इस्तीफा दिया है।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी का राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

अहमदाबाद (आरएनएस)। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी का राजकोट में सोमवार को शाम साढ़े 7 बजे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनके पार्थिव शरीर को राजकोट हवाई अड्डे लाया गया था, जहां उनकी पत्नी अंजलि, बेटे वैभव समेत परिवार के अन्य लोग मौजूद थे। यहां से अंतिम यात्रा शुरू की गई। रुपाणी का निधन गुरुवार 12 जून को अहमदाबाद में हुआ था। वह एयर इंडिया के एआई-171 विमान में बैठे थे, जो लंदन जाते समय अहमदाबाद में उड़ान भरने के कुछ सेकेंड बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उनका शव डीएनए जांच के बाद 3 दिन बाद मिला। अब तक कुल 80 लोगों के शवों की पहचान हो चुकी है। विमान में 242 यात्री, 2 पायलट और 10 चालक दल सदस्य सवार थे, जिसमें 1 को छोड़कर सभी की मौत हुई थी।

भारत में दो चरणों में होगी जनगणना, केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

पहला चरण 1 अक्टूबर 2026 से शुरू होगा, जबकि दूसरा चरण 1 मार्च 2027 से

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में जनगणना दो चरणों में होगी और इसे लेकर केंद्र सरकार ने सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी है। राजपत्र में बताया गया है कि जनगणना की प्रक्रिया दो चरणों में पूरी की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जनगणना के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि पहला चरण 1 अक्टूबर, 2026 से शुरू होगा, जिसमें जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड शामिल होंगे, जबकि दूसरा चरण 1 मार्च, 2027 से शुरू होगा।

अधिसूचना में कहा गया, केंद्रीय सरकार, जनगणना अधिनियम, 1948 (1948 का 37) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र असाधारण, भाग 2, खंड 3 उपखंड (द्वद्ध) तारीख 28 मार्च, 2019 में प्रकाशित भारत सरकार के गृह मंत्रालय (भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय) की अधिसूचना संख्यांक का. आ. 1455(अ) तारीख 26 मार्च, 2019 के अधिक्रमण में, उन बातों के सिवाय, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, यह घोषणा करती है कि भारत की जनसंख्या की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी। इसमें आगे कहा गया है, उक्त जनगणना के लिए संदर्भ तारीख, संघ राज्यक्षेत्र लद्दाख के और संघ राज्यक्षेत्र जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड राज्यों के हिमाच्छादित असमकालिक क्षेत्रों के सिवाय, मार्च, 2027 के पहले दिन के 00ः00 बजे होगी। संघ राज्यक्षेत्र लद्दाख के लिए और संघ राज्यक्षेत्र जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड राज्यों के हिमाच्छादित असमकालिक क्षेत्रों के लिए संदर्भ तारीख अक्तूबर, 2026 के पहले दिन होगी। यह पहली बार है, जब जाति गणना को जनगणना में शामिल किया जा रहा है। हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में केंद्र ने जाति आधारित गणना को मंजूरी दी थी, ताकि सरकार बेहतर नीतियां बना सके और इन्हें लक्ष्य-आधारित कर सके। हालांकि, जाति आधारित गणना की मंजूरी ने राजनीतिक विवाद भी पैदा किया। कांग्रेस ने दावा किया कि मोदी सरकार को सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण के उनके विचार को शामिल करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

कैम्पा मद का नियमानुसार हो समुचित उपयोग : मुख्यमंत्री

विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ कैम्पा की गवर्निंग बॉडी की तृतीय बैठक सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ कैम्पा की गवर्निंग बॉडी की तृतीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्देश दिए कि कैम्पा मद का समुचित उपयोग नियमानुसार किया जाए। उन्होंने बैठक में कैम्पा के अंतर्गत संचालित कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का 44 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है। हमारे प्रदेश में भरपूर वन संपदा उपलब्ध है। देश में भौगोलिक क्षेत्रफल के अनुसार छत्तीसगढ़ का स्थान दसवां है, जबकि वन क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य तीसरे पायदान पर है। वनों के संरक्षण एवं संवर्धन में कैम्पा मद की राशि की महत्वपूर्ण भूमिका है, अत: इसका उपयोग आवश्यकता अनुरूप प्राथमिकताओं के आधार पर किया जाना चाहिए। सीएम ने अधिकारियों से विगत वर्षों में किए गए वन विकास, वन सुरक्षा, वन्यप्राणी संरक्षण तथा अधोसंरचना विकास से संबंधित कार्यों की जानकारी प्राप्त की। मुख्य कार्यपालन अधिकारी (कैम्पा) द्वारा गवर्निंग बॉडी के समक्ष अब तक की प्रगति तथा कैम्पा मद से संपादित महत्वपूर्ण कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

NDMA, NDRF और CDRI ने भारत को आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने के करीब पहुंचाया : शाह

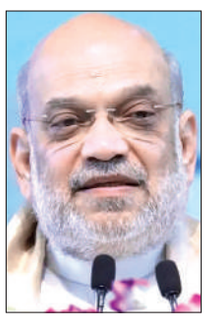

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) की सराहना की।

राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और आपदा मोचन बलों के राहत आयुक्तों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि हम सभी के लिए यह खुशी की बात है कि 10 वर्षों के भीतर, इन तीन संस्थाओं, एनडीएमए, एनडीआरएफ और सीडीआरआई ने भारत को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के करीब ला दिया है। एनडीएमए ने नीतिगत मामलों की संरचना, शोध कार्य करने, विभिन्न प्रकार के अध्ययनों के लेखों को लोगों तक पहुंचाने, कई ऐप बनाने और नीतिगत मामलों के समग्र समन्वय में बहुत अच्छा काम किया है। एनडीआरएफ ने पूरे देश में अपनी छवि बनाई है, प्रसिद्धि और सम्मान भी कमाया है। एनडीआरएफ की संरचना में एसडीआरएफ ने भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई है, जब मैं कहता हूं कि भारत वैश्विक नेता बनने की कगार पर है, तो हमने सीडीआरआई के माध्यम से वैश्विक स्तर पर बहुत प्रसिद्धि और स्वीकृति भी प्राप्त की है। अमित शाह ने आगे कहा कि पिछले 10 वर्षों को भारत के संक्रमण काल के रूप में याद किया जाएगा जहां क्षमता, गति, दक्षता और सटीकता के क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की गईं।

खूब पढ़ो, आगे बढ़ो और राज्य का गौरव बनो : साय

नए शिक्षा सत्र पर मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। नए शिक्षा सत्र की शुरुआत के साथ ही स्कूल की घंटी फिर से गूंजने लगी हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्कूली बच्चों को नए सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा है- 'खूब पढ़ो, आगे बढ़ो और छत्तीसगढ़ का गौरव बनो।' मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों से कहा है कि नई किताबों की खुशबू, नई कक्षा का उत्साह और नए सपनों के साथ एक नई शुरुआत हो रही है। आज का यह दिन हम सभी के लिए विशेष है। उन्होंने स्कूली बच्चों से कहा कि मन लगाकर पढ़िए, जिज्ञासा के साथ प्रश्न पूछिए, उत्तर खोजिए और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते रहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हमने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की नई शिक्षा नीति के संकल्पों के अनुरूप व्यापक बदलाव कर प्रदेश के भविष्य को सँवारने का प्रयास किया है। आप निश्चिंत होकर पढ़ाई में मन लगाइए, बाकी की चिंता मुझ पर छोड़ दीजिए। आपकी शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।'

अमरोहा में अवैध पटाखा फैक्ट्री में जबरदस्त विस्फोट, 5 महिलाओं समेत 6 की मौत

अमरोहा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में सोमवार को एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हो गया। हादसे में 5 महिलाओं समेत 6 लोगों की मौत हो गई। सभी मृतक मजदूर बताए जा रहे हैं। फैक्ट्री अतरासी गांव के जंगलों में चल रही थी। हादसे में 12 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। कुछ लोग मलबे में दबे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोपहर बाद अचानक हुए धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई थी और फैक्ट्री का मलबा 300 मीटर पड़ा मिला है।

प्रशासनिक जांच में सामने आया है कि फैक्ट्री के पास किसी प्रकार का कोई लाइसेंस नहीं था और वह बिना सुरक्षा उपायों के चल रही थी। पुलिस ने फैक्ट्री चलाने वाले के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है। यह पहली बार नहीं है, जब अमरोहा में अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका हुआ हो। इससे पहले 1 मई को रहरा क्षेत्र के भावली गांव में अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका हुआ था।

ईरान में फंसे भारतीयों को जमीनी रास्ते से सुरक्षित निकाला जाएगा, 4 देशों से आएंगे भारत

नई दिल्ली (आरएनएस)। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध में ईरान में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए भारत सरकार ने अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। सरकार ने ईरानी विदेश मंत्रालय से अनुरोध किया है कि असुरक्षित ईरानी हवाई क्षेत्र को देखते हुए भारतीयों को जमीनी रास्ते से बाहर निकालने की अनुमति दी जाए। इस पर ईरानी विदेश मंत्रालय ने भारत सरकार समेत अन्य देशों के अनुरोध को मानते हुए जमीनी सीमाओं को खोल दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान स्थिति और देश के हवाई अड्डों के बंद होने के साथ-साथ कई राजनीतिक मिशनों ने अपने राजनयिकों और नागरिकों को विदेश स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है। इसे देखते हुए सभी भूमि सीमाएं पार करने के लिए खुली हैं। ईरान में फंसे भारतीयों को उसकी देश की सीमा से लगती अर्मेनिया, अफगानिस्तान, अजरबैजान और तुर्कमेनिस्तान से निकाला जाएगा।

पीएम मोदी को मिला साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान, कहा- विनम्रता और कृतज्ञता से स्वीकार करता हूं

निकोसिया (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सोमवार को निकोसिया में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस द्वारा साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III से सम्मानित किया गया। साइप्रस में दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ मकारियोस III का नाम साइप्रस गणराज्य के पहले राष्ट्रपति मकारियोस III के नाम पर रखा गया है। यह राष्ट्र के प्रमुखों और अन्य महत्वपूर्ण लोगों को राष्ट्र के लिए सराहनीय सेवा के सम्मान में प्रदान किया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान के लिए राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस, सरकार और साइप्रस के लोगों का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, राष्ट्रपति जी, ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III के लिए मैं आपका, साइप्रस सरकार का और साइप्रस के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह उनकी क्षमताओं और आकांक्षाओं का सम्मान है। यह हमारे देश के सांस्कृतिक भाईचारे और वसुधैव कुटुंबकम की विचारधारा का सम्मान है। मैं यह सम्मान भारत और साइप्रस के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों और हमारे साझा मूल्यों और आपसी समझ को समर्पित करता हूं। मैं सभी भारतीयों की ओर से अत्यंत विनम्रता और कृतज्ञता के साथ इस सम्मान को स्वीकार करता हूं। उन्होंने आगे कहा, यह सम्मान शांति, सुरक्षा, संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और हमारे लोगों की समृद्धि के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मैं इस सम्मान के महत्व को समझता हूं और इसे भारत और साइप्रस के संबंधों के प्रति जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करता हूं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों देशों के बीच संबंध नई ऊंचाइयों को छुएंगे। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में हमारी सक्रिय साझेदारी नई ऊंचाइयों को छुएगी। साथ मिलकर हम न केवल अपने दोनों देशों की प्रगति को मजबूत करेंगे बल्कि एक शांतिपूर्ण और सुरक्षित वैश्विक वातावरण के निर्माण में भी योगदान देंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी बधाई : साइप्रस सरकार से पीएम मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिला है, सीएम साय ने बधाई देते हुए कहा, विश्व मंच पर भारत का परचम बुलंद , यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को साइप्रस सरकार द्वारा उनके सर्वोच्च नागरिक सम्मान Grand Cross of the Order of Makarios III से सम्मानित किया जाना 140 करोड़ देशवासियों के लिए गर्व और आत्मगौरव का क्षण है।

भीषण गर्मी : आज से प्रातः 7 से 11 बजे तक लगेंगी कक्षाएं

शालाओं की समय सारिणी में किया गया परिवर्तन

अभी पुरानी किताबों से पढ़ाया जाएगा छात्रों को

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा जारी आदेशानुसार भीषण गर्मी को देखते हुए छात्रों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को देखते हुए शासकीय अनुदान प्राप्त गैर अनुदान प्राप्त एवं अशासकीय शालाओं में कक्षाएं 17 जून से लेकर 21 जून तक सुबह 7 बजे से लेकर 11 बजे तक संचालित करने का निर्णय लिया गया है।

शासन द्वारा प्राप्त जारी आदेशानुसार सभी शासकीय अनुदान प्राप्त एवं गैर अनुदान प्राप्त शालाएं 16 जून से प्राप्त हो चुकी है लेकिन युक्तियुक्तकरण के कारण शिक्षकों द्वारा विरोध जारी है। आज शालाओं में गणवेश का वितरण किया गया वहीं शिक्षकों ने कालीपट्टी लगाकर अपना विरोध जाहिर किया है।

मौसम विभाग द्वारा समय से पूर्व मानसून आने की चेतावनी दी गई थी लेकिन उमस भरी गर्मी से लोग परेशान है। इसलिए शासन ने अब सभी शालाओं को 17 जून से 21 जून तक प्रात:कालीन 7 बजे से 11 बजे तक संचालित करने का निर्णय लिया है। दिनांक 23 जून से शालाएं यथावत सामान्य दिनों की तरह संचालित होगी।

इधर शिक्षक संघ ने कहा कि युक्तियुक्तकरण का विरोध जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कई याचिकाएं कोर्ट में लगाई गई है जिसपर फैसला आना बाकी है। केबिनेट की बैठक 18 को होने वाली है जिसमें युक्तियुक्त करण की तिथि बढ़ाने पर विचार होगा।

दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई315 में आई तकनीकी खराबी, वापस हांगकांग उतारा गया

नई दिल्ली (आरएनएस)। हांगकांग से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई315 को बीच उड़ान में तकनीकी समस्या का संदेह होने के बाद वापस हांगकांग एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार दिया गया है. सूत्रों के मुताबिक बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर द्वारा संचालित यह फ्लाइट एआई315 हांगकांग से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी. लेकिन तकनीकी दिक्कत आने की वजह से दिल्ली आ रही एअर इंडिया फ्लाइट एआई315 को हॉन्गकॉन्ग वापस उतारना पड़ा.

जानकारी के मुताबिक विमान को सुरक्षित हॉन्गकॉन्ग में उतार लिया गया है. विमान में सभी यात्री सुरक्षित हैं. वहीं विमान की जांच के तकनीकी टीमें काम कर रही हैं. अब जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि विमान में क्या खराबी आ गई थी.

गौर करें तो इससे पहले हैदराबाद जा रहे लुफ्थांसा जा रहे एक विमान को बम की धमकी के बाद लैंडिंग क्लीयरेंस नहीं मिलने पर जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर वापस लौटना पड़ा था.

ये फ्लाइट एलएच752 फ्रैंकफर्ट से आ रही थी. उसे सोमवार सुबह हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचना था. हालांकि, विमान बीच रास्ते से ही वापस लौटा.

सूत्रों ने लुफ्थांसा एयरलाइंस के हवाले से कहा, 'हमें हैदराबाद में उतरने की अनुमति नहीं मिली थी और इसीलिए विमान ने यू-टर्न लिया और वापस लौट आया.' विमान के अप्रत्याशित डायवर्जन ने सवाल खड़े कर दिए. एयरलाइन ने लैंडिंग क्लीयरेंस न मिलने का हवाला दिया. जबकि एयरपोर्ट के अधिकारियों ने इस घटना के लिए बम की धमकी को जिम्मेदार ठहराया.

सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती सोनिया गांधी की हालत स्थिर

नई दिल्ली (आरएनएस)। सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी की हालत स्थिर है. अस्पताल के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने बताया कि सोनिया गांधी की स्वास्थ्य स्थिति पर डॉक्टरों की टीम निगरानी कर रही है. इससे पहले अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण रविवार रात को उन्हें सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती किया गया था. उन्हें पेट संबंधित परेशानी है. गैस्ट्रोइंटेरोलाजी सर्जरी के विशेषज्ञ डॉ. समीरन नंदी की देखरेख में उनका इलाज शुरू हुआ था. अस्पताल प्रशासन की तरफ से यह जानकारी दी गई थी कि उन्हें रविवार रात 9:10 बजे अस्पताल अस्पताल लाया गया था. इससे पहले 7 जून को भी उनकी तबीयत खराब हो गई थी।

सीसीपीएल के फाइनल में रायपुर राइनोस और राजनांदगांव पैंथर्स टीम संयुक्त विजेता घोषित

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग की विजेता टीमों को सौंपा विनर्स कप

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को यहां नवा रायपुर के शहीद वीरनारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग सीजन 2 के समापन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग की विजेता टीमों को विनर्स कप सौंपा। बारिश की वजह से सीसीपीएल का फाइनल मैच नहीं खेला जा सका। फाइनल में पहुंची दोनों टीमों रायपुर राइनोस और राजनांदगांव पैंथर्स को संयुक्त विजेता घोषित किया गया।

छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग सीजन 2 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य की बात है कि सीसीपीएल जैसे क्रिकेट टूर्नामेंट का यहां शानदार आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ में हम सभी खेलों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग सीजन 2 के समापन समारोह में हुए शामिल

छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के माध्यम से राज्य के प्रतिभावान क्रिकेट खिलाड़ियों को खेलने का बेहतरीन मौका मिला है। इस आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ बधाई का पात्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बारिश की वजह फाइनल मैच नहीं खेला जा सका। रायपुर राइनोस और राजनांदगांव पैंथर्स टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया है। मैं दोनों टीमों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ और सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। यह बहुत खुशी की बात है कि मौसम खराब होने के बाद भी बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी स्टेडियम में मौजूद हैं। मैं आशा करता हूँ कि छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ इसी तरह आगे भी छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन करता रहेगा।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग सीजन 2 का आयोजन 6 जून से 15 जून तक किया गया। इसमें रायपुर राइनोस, राजनांदगांव पैंथर्स, रायगढ़ लायन्स, बस्तर बाइसन्स, बिलासपुर बुल्स और सरगुजा टाईगर्स टीमों ने हिस्सा लिया।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, मंगलवार 17 जून 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

संतोषी पारा में महिला समृद्धि बाजार के लिए 60 दुकानो का सर्वे

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रं. 03 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत महिला समृद्वि बाजार हेतु दुकानों का सर्वे किया गया। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर वार्ड क्रं. 33 संतोषी पारा में महिला समृद्वि बाजार के तहत 50 दुकान एवं मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना के तहत 10 दुकान इस प्रकार कुल 60 दुकानों का सर्वे किया गया। सर्वे के दौरान 37 परिवार निवासरत पाए गए एवं 20 परिवारों को प्रधामनंत्री आवास योजना के तहत आवेदन फार्म दिया गया। आज 05 परिवारों को आवेदन वितरण किया गया और फार्म भरकर निगम में जमा करने सूचित किया गया। वहीं 07 परिवारों द्वारा आवेदन फार्म लेने से इंकार किया गया। सर्वे के दौरान जोन आयुक्त सतीश यादव, आवास प्रभारी विद्याधर देवांगन, जोन सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन सहित योजना एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

चेम्बर ने छत्तीसगढ़ व्यापार एवं उद्योग की प्रगति के लिए अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी जी ने आज छत्तीसगढ़ व्यापार एवं उद्योग की प्रगति के लिए अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया, जिसमें कार्यकारी महामंत्री श्री कपिल दोशी श्री विकास आहूजा एवं श्री अमर सुल्तानिया, श्री दिलीप इसरानी को उपाध्यक्ष एवं चेम्बर कार्यालय प्रभारी, श्री अनिल जोतसिंघानी को सांस्कृतिक प्रभारी के पद पर मनोनयन किया है।

साामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिये 17 जून से 29 जुलाई 2025 तक वार्डो में शिविर, फरवरी से मई माह के पेंशन का होगा भुगतान

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर के सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये नगर निगम द्वारा प्रति माह पेंशन का भुगतान वार्डो में शिविर लगाकर किया जाता है। इसी कडी में हितग्राहियों को माह फरवरी से मई 2025 का पेंशन भुगतान के लिये वार्डो में 17 जून 2025 से 29 जुलाई 2025 तक प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 17 जून को बजरंगपुर वार्ड नं. 1 के लिये साहू धर्मशाला बजरंगपुर नवागांव में, 18 जून को महात्मा बुद्ध वार्ड नं. 2 के लिए लोधी भवन में, 19 जून को पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी वार्ड नं. 4 के लिये पंचायत भवन नया ढाबा व पुनारा ढाबा स्कूल के पास में एवं 20 जून को मोतीपुर वार्ड नं. 3 व रामनगर वार्ड नं. 8 के लिए मोतीपुर स्कूल सामुदायिक भवन में शिविर का आयोजन किया गया है। शेष वार्डो के लिये भी शिविर आयोजित किये जायेगे। निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों से वार्डो में आयोजित शिविर में प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक उपस्थित होकर माह फरवरी से मई 2025 की पेशन का लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने शिविर में लगे कर्मियों से कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन का कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देवे एवं कोई भी हितग्राही पेंशन लेने से वंचित न रहे, इस बात का विशेष ध्यान रखा जावे।

शिक्षादान केंद्र में पढ़ने वाले छात्रों का शत प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम, भूपेश 89.66 और सिन्धु ने की, 78.5 प्रतिशत अंक अर्जित

आरंग (विश्व परिवार)। स्वयंसेवी संस्था पीपला वेलफेयर फाउंडेशन और गायत्री शक्तिपीठ आरंग के संयुक्त संयोजन में संचालित शिक्षादान केंद्र में पढ़ने वाले नवमी और दसवीं के छात्रों का परीक्षा परिणाम शत् प्रतिशत रहा। फाउंडेशन के संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल ने बताया शिक्षादान केंद्र में पढ़ने वाले अधिकतर बच्चे कन्या हास्टल से आते थे।सभी बच्चों का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। यहां अध्ययन किए अरूंधति स्कूल के दसवीं के छात्र भूपेश गायकवाड़ 89.6 अपने विद्यालय में प्रथम तथा प्री मेट्रीक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास आरंग की कुमारी सिंधु घृतलहरे ने 78.5 प्रतिशत अंक अर्जित कर अपने विद्यालय और अपने माता-पिता का गौरव बढ़ाया है। बाकी सभी छात्रों का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट श्रेणी में आया है।वही नवमी में पढ़ने वाले छात्रों का परीक्षा परिणाम भी शत् प्रतिशत आया है। शिक्षादान केंद्र का संचालन का कांसेप्ट फाउंडेशन के संयोजक नवाचारी शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल का है। जिसके तहत् पढ़ाने वाले सेवाभावियों को जनसहभागिता से मानदेय दिया जाता है। और कोई भी छात्रों से किसी तरह का कोई शुल्क नहीं लिया जाता।इस वर्ष शिक्षादान केन्द्र के संचालन में विशेष योगदान नीरज साहू, कुमारी साक्षी पटेल, ब्रजेश अग्रवाल सोनू मोनू बुक भंडार, शिक्षक हरीश दीवान, महेन्द्र कुमार पटेल, दूजेराम धीवर, कोमल लाखोटी, यादेश देवांगन, अभिमन्युह्य साहू, छत्रधारी सोनकर, संजय मेश्राम, भागवत जलक्षत्री व गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक पवन साहू का रहा।सभी ने बच्चों को बधाई दिए हैं। वहीं हास्टल की अधिक्षिका अनिता डहरिया और छात्रों ने पीपला फाउंडेशन द्वारा शिक्षादान केन्द्र संचालन की पहल की सराहना करते हुए आभार जताया हैं।

मोर गांव मोर पानी महाअभियान 'जल संरक्षण को नई दिशा', इंजेक्शन वेल तकनीक से भूजल स्तर बढ़ाने की पहल

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार राज्य के सभी जिलों में जल संरक्षण एवं संचयन के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं इसी तारतम्य में बिलासपुर जिले में जल संरक्षण एव जल संचय के वृहद प्रयास किये जा रहे है। जिला प्रशासन द्वारा मोर गांव मोर पानी महाअभियान के तहत इस दिशा में कार्ययोजना बनाकर व्यापक कार्य किये जा रहे है। सुशाासन तिहार में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आगमन कोटा ब्लॉक के ग्राम आमागोहन में हुआ था। ग्राम आमागोहन से ही भूजल स्तर बढ़ाने का प्रयास कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में शुरू किया गया।

मोर गांव मोर पानी महाअभियान के तहत जिले में भूजल रिचार्ज की आधुनिक तकनीक इंजेक्शन वेल को तेजी से अपनाया जा रहा है। यह तकनीक गांव को जल संकट से निजात दिलाने और भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

क्या है इंजेक्शन वेल तकनीक- इंजेक्शन वेल एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें वर्षा जल को सीधे जमीन के भीतर स्थित जल स्तर तक पहुंचाया जाता है। यह प्रक्रिया पानी के भंडारण से अधिक प्रभावी होती है। क्योंकि यह भूजल को सीधे रिचार्ज करती है। जिससे हैंडपंप, कुएं और तालाब पुन: जलयुक्त हो जाते है। ग्राम अमागोहन, सोनपुरी में इंजेक्शन वेल तकनीक का उपयोग कर वर्तमान में सूखे तालाबों, पार्कोलेशन टैंक, डबरियों में इंजेक्शन वेल का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य से सतही जल एवं वर्षा जल को तालाब में जमा कर उसे फिल्टर करते हुए साफ पानी से भूजल स्तर को रिचार्ज किया जा रहा है।

जनभागीदारी से मिल रही सफलता- जिला प्रशासन द्वारा मोर गांव मोर पानी अभियान को जन आंदोलन के रूप में अपनाया जा रहा है। जिले में इसके लिए जनजागरुकता का कार्य मनरेगा और एनआरएलएम के दल द्वारा किया जा रहा है। जिससे भू जल के कम से कम उपयोग और भूजल स्तर को बढ़ाने के प्रयास में जनभागीदारी पर जोर दिया जा रहा है फलस्वरूप अब तक विगत 1 माह में ही 54 बोरी बंधान के कार्य नालों में कर लिए गए है। तेज बहाव को कम करते हुए आसपास के भूजल स्तर को बढ़ाया जा सके। इसके साथ ही विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी के दिनों में अधिक जल की आवश्यकता वाली फसलों जैसे धान की बुवाई के स्थान पर कम भूजल उपयोग वाले फसलों के विषय में जानकारी दी रही है।

जल संरक्षण हेतु जिले में निष्क्रिय बोरवेल को फिर से चालू करने के लिए 159 स्थानों का चिन्हांकन कर सैंड फिल्टर तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इस अभियान को मोर गांव मोर पानी महाअभियान से जोड़कर क्रियान्वित किया जा रहा है इसके लिए जून माह के पहले सप्ताह में भी अलग अलग क्लस्टर में लगभग 6000 प्रतिभागियों की एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें गांव के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक और स्व सहायता समूह की दीदियों ने भाग लिया। प्रशासन के इस अनूठे प्रयास से पानीं बचाने लिए लोगों में जागरूकता आ रही है जिससे भविष्य सुरक्षित हो रहा है।

मेयर और कमिश्नर के औचक निरीक्षण में 64 कर्मचारी मिले नदारद, कटेगा वेतन

मेयर, कमिश्नर के अचानक दबिश के बाद कार्यालय में मचा हड़कंप

दुर्ग (विश्व परिवार)। महापौर श्रीमती अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल ने नगर निगम कार्यालय का निरीक्षण किया. इस दौरान कुल 64 कर्मचारी नदारद मिले. महापौर व आयुक्त ने वेतन काटने का आदेश दिए.

महापौर श्रीमती बाघमार इन दिनों एक्शन मोड में हैं.वह दूसरी बार निगम कार्यालय का औचक निरीक्षण कर रहे हैं.कहा निगम कार्यालय का निरन्तर निरीक्षण किया जाएगा।महापौर के अचानक दबिश. जिसके बाद कार्यालाय में हड़कंप मच गया.

महापौर श्रीमति बाघमार कार्यालय खुलने के समय सुबह राजस्व विभाग, स्थापना शाखा दफ्तर पहुंचे. सभी विभाग का हाजिरी रजिस्टर की जांच की जहां लोक कर्म विभाग 7, बाजार विभाग से 6, लोक सेवा केंद्र 3, जन सूचना विभाग 2, राजस्व विभाग प्लेसमेंट कर्मचारी 10, लेखा शाखा 13, लोक कर्म विभाग 1, सचिवालय 5, स्थापना शाखा 3, राजस्व विभाग कर्मचारी 14, स्वास्थ्य विभाग 1 बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यलय से नदारद मिले. कर्मचारी अनुपस्थित पाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए आधे दिवस का वेतन काटे जाने की कार्यवाही की गई.उन्होंने सभी कर्मचारियों के टेबल पर नाम पट्टिका आवश्यक रूप से रखे जाने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान एमआईसी नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, कार्यालाय अधिक्षक आरके बोरकर, पंकज चंद्रवंशी सहित अन्य मौजूद रहें। महापौर अलका बाघमार ने अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्यवाही करते हुए सभी कर्मचारियों को समय पर कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए।

महापौर अलका बाघमार ने आयुक्त के साथ किया शिवनाथ नदी इंटकवेल का निरीक्षण

बरसात के दिनों में झिल्ली पत्नी फंसने से रोकने सायफन में जाली लगाने के दिए निर्देश

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत रविवार रात्रि को हुए भारी बारिश के चलते पुलगांव नाला में जमा झिल्ली पत्नी व जलकुंभी बहकर शिवनाथ नदी के 24एमएलडी इंटकवेल सम्प में फंस जाने के कारण सोमवार को विभिन्न वार्डो में पेयजल सप्लाई बाधित हुई जिसकी जानकारी मिलने पर आज सुबह महापौर अलका बाघमार अधिकारियो के साथ पुलगांव नाला व इंटकवेल का निरीक्षण कर पेयजल व्यवस्था सामान्य बनाए रखने आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए इस दौरान निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल जलगृह प्रभारी श्रीमती लीना दिनेश देवांगन एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकार, नीलेश अग्रवाल, श्रीमती शशि साहू, लीलाधर पाल पार्षद संजय अग्रवाल के अलावा कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, सहायक उपभियंता गिरीश दीवान, उप अभियंता मोहित मरकाम, जल निरीक्षक नारायण ठाकुर सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

ईस दौरान महापौर व आयुक्त ने इंटकवेल में बार बार कचरा कचरा फंसने से रोकने सायफन में जाली लगाने व बारिश के दिनों में इस प्रकार की समस्या आने से रोकने नियमित झिल्ली पत्नी साफ करने इंटकवेल में कर्मचारी रखने कहा ताकि प्लांट तक पानी सप्लाई बाधित न हो।

उल्लेखनीय कि केलाबाड़ी कसारीडीह बोरसी पोटिया सहित शहर के विभिन्न वार्डो से निकलने वाले गंदे पानी की निकासी विभिन्न नाली व नालों के जरिए पुलगांव नाला में आकर मिलता है जो सामान्य दिनों में प्रवाह नही होने के कारण इसमें बहकर आए झिल्ली पत्नी प्लास्टिक जैसे कचरा जलकुंभी के बीच जम जाता है जो बारिश के दिनों में नाला में पानी चढ़ने के कारण सीधे शिवनाथ नदी इंटकवेल के सायफन में फंस जाता है।

शनिवार एवं रविवार रात ड्रंक एंड ड्राइव कर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध रायपुर पुलिस की अभियान कार्यवाही लगातार जारी

इस विकेंड 11 ड्रंक एंड ड्राइव करने वाले वाहन चालकों पर की गई कारवाही, सभी वाहन चालको का लाइसेंस निलंबन भी किया जायेगा

रायपुर (विश्व परिवार)। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा नशे की हालत में वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के निर्देश पर रायपुर पुलिस द्वारा शहर के श्री राम मंदिर के सामने, फुन्डहर चौक एवं शंकर नगर एक्सप्रेस वे ब्रिज चौक में बैरिकेटिंग कर ड्रंक एंड ड्राइव कर वाहन चलाने वाले 11 शराबी वाहन चालकों के विरूद्ध चलानी कार्यवाही की गई।

बता दे कि शहर की यातायात व्यवस्था के सुगम संचालन में ड्रंक एंड ड्राइव वाहन चालक सबसे बड़ी बाधा है। नशे की हालत में होने के कारण स्वयं तथा दूसरे वाहन चालक के जान के लिए जोखिम भरा होता है। ऐसे वाहन चालकों पर सख्त कार्यवाही हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर के निर्देशानुसार रायपुर पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाकर ड्रंक एंड ड्राइव वाहन चालकों पर कार्यवाही

की जा रही है जिसके तहत विगत पांच माह के भीतर अब तक 772 शराबी वाहन चालकों पर कार्यवाही की जा चुकी है जिसके तहत वाहन जप्त कर प्रकरण निराकरण हेतु कोर्ट भेजा गया जहां माननीय न्यायालय द्वारा 10,000-10,000 रूपये का भारी भरकम जुर्माना लगाया गया है, साथ ही उक्त ड्रंक एंड ड्राइव वाहन चालकों पर लायसेंस निलबंन की कार्यवाही भी की जा रही है।

कार्यवाही के अनुक्रम में इस शनिवार एवं रविवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर डॉ प्रशांत शुक्ला के मार्गदर्शन में रायपुर पुलिस द्वारा शहर के श्रीराम मंदिर के पास, फुण्डहर चौक एवं शंकर नगर एक्सप्रेस वे ब्रिज चौक में यातायात पुलिस तैनात कर रात्रि 11 बजे से 02 बजे तक बेरिकेटिंग कर चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें 11 ड्रंक एंड ड्राइव वाहन चालकों के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम की धारा 185 के तहत कार्यवाही की गई, प्रकरण निराकरण के लिए कोर्ट भेजा गया। सभी वाहन चालको का लाइसेंस भी निलंबन हेतु परिवहन कार्यालय भेजा जायेगा!

शराब चेकिंग में पकड़े गए वाहन एवं चालक निम्नानुसार है-

1. CG 10 LB 1900 अंकुर अग्रवाल
2. CG 04 PF 0356 आशीष कुमार
3. CG 04 LS 2343 राहुल शर्मा
4. CG 12 AY 8772 फ़निश मानिकपुरी
5. CG 04 NX 0361 सोमनाथ साहू
6. CG 04 KV 1573 राजेंद्र सोनी
7. CG 05 AN 5210 प्रदीप कुमार
8. CG 04 PV 7432 राहुल
9. CG 07 CJ 9356 रमन सिंग
10. CG 04 MF 2159 हर्षवर्धन साहू
11. CG 04 NU 8866 मनीष कुमार।

आयुक्त पाण्डेय ने अवैध निर्माण एवं जलभराव क्षेत्र का किया निरीक्षण

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय जोन क्रमांक 01 माडल टाउन में नव निर्मित डामरीकृत रोड एवं पूर्वनिर्मित सामुदायिक भवन निरीक्षण करने पहुंचे। वार्ड में डामरीकृत रोड निर्माण किया गया है, रोड किनारे मार्किंग के बाहर एक लेवल में रखने हेतु उप अभियंता को आदेशित किए, जिससे भविष्य में सड़क का किनारा खराब न हो। निर्मित सड़क के बीच नाली सफाई के लिए लोहे की जाली लगाया गया है, जिसमें स्लैब चेम्बर लगाकर ढकने के लिए कहा गया। ततपश्चात वार्ड 03 पार्षद हरिओम तिवारी के साथ पूर्व से निर्मित सामुदायिक भवन का मुआयना किया। भवन में लगाया गया टाईल्स टूट कर उखड़ गया है, जिसे बदलने एवं बिजली वायरिंग कराने उपस्थित अभियंताओं को निर्देशित किए। आयुक्त पाण्डेय वार्ड क्रं. 12 न्यू आर्य नगर कोहका क्षेत्र का भ्रमण करने पहुंचे, वहां स्थित तालाब की साफ-सफाई कराने, बरसाती पानी से तालाब भरने को प्राथमिकता देने एवं टयूबवेल के माध्यम से तालाब न भरने निर्देशित किए। न्यू आर्य नगर क्षेत्र में कुछ दलालों द्वारा अवैध रूप से प्लाटिंग करवाकर मकान निर्माण करवाया गया है, जो मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 131 दिनांक 16-06-2025
वार्ड का नाम- शहीद कौशल यादव वार्ड
वार्ड क्र. 7 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 7 मांग **पंजी क्र. 214 युआईडी 12505** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **देवेन्द्र कुमार यदु/ उमेन्द्र राम यदु** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **अनुभव राजपुत/ अनिल सिंग ठाकुर** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **16-07-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 132 दिनांक 16-06-2025
वार्ड का नाम- लाल बहादुर शास्त्री वार्ड
वार्ड क्र. 13 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 13 मांग **पंजी क्र. 77 युआईडी 16004** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **डोमन साहू/ तुगन साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **युवराज साहू/ डोमन साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **16-07-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./21180/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 07-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21180
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446R00141** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HINDUSTHAN BUILDCON** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. ANJANA KUMARI DUBEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI SANJAY KUMAR DUBEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./21432/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2025
रायपुर, दिनांक 16-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21432
वार्ड का नाम - 37 - तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 37 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR717D0297C** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HATIYARIN BAI / SHRI RAM/ BHOJA BAI / JAGMOHAN /NARAYAN / REVARAM / KAMAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राजेंद्र कुमार साहू, राजकुमार साहू, पूर्णिमा साहू, सरस्वती साहू, मालती साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. नारायण साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत बटवारा नामा, शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./21431/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2025
रायपुर, दिनांक 16-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21431
वार्ड का नाम - 37 - तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 37 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR717D0297A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HATIYARIN BAI / SHRI RAM / BHOJA BAI / JAGMOHAN / NARAYAN / REVARAM / KAMAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **कमल साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्रीराम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत बटवारा नामा, शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./21430/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2025
रायपुर, दिनांक 16-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21430
वार्ड का नाम - 37 - तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 37 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR717D00297** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HATIYARIN BAI / SHRI RAM / BHOJA BAI / JAGMOHAN / NARAYAN / REVARAM / KAMAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **रेवाराम साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्रीराम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत बटवारा नामा, शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर मंगलवार 17 जून 2025

कुश्ती दंगल प्रतियोगिता में महिला पहलवान पूनम ने झांसी के पुरुष पहलवान को चारों खाने चित किया

बिश्रामपुर में कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कुश्ती हमारे देश की प्राचीन खेल - भूलन सिंह मरावी

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो-(दैनिक विश्व परिवार)- कोयलांचल बिश्रामपुर में दो दिवसीय अखिल भारतीय कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का समापन हुआ द्य बीते14 से 15 जून तक चलने वाले इस कुश्ती प्रतियोगिता देश के उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब उत्तराखंड सहित पड़ोसी देश नेपाल से आए नामी - गिरामी पहलवानों ने अखाड़े में अपना दमखम

दिखाया।

प्रतियोगिता के पहले दिन बतौर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद के सदस्य सुभाष गोयल, एवं मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने सभी पहलवानों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कुश्ती हमारे देश की प्राचीन खेल और धरोहर है इसे आगे बढ़ाना हम सभी की जवाबदारी है। इस अवसर पर अभिभाजित सरगुजा एवं सूरजपुर जिला के पूर्व अध्यक्ष अजय गोयल, जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, सर्व यादव समाज के प्रदेशाध्यक्ष रमेश यदु, नगर पंचायत बिश्रामपुर के अध्यक्ष श्रीमती निर्मला यादव, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सत्यनारायण जायसवाल, संत सिंह, राज किशोर चौधरी,दरोगा सिंह, शशिकांत गर्ग, संदीप अग्रवाल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह चौहान, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश यादव, श्रीमती श्यामा पाण्डे, श्रीमती मोहिनी झा , श्रीमती गीता घोषाल, बिश्रामपुर मण्डल अध्यक्ष कैलाश सिरदार, महामंत्री श्रीमती रुकमणि सिंह, सूरज सेट्टी, सतीश तिवारी, पार्षद रविशंकर बऊवा, अमरेश प्रसाद, संजीत यादव, पिंटू यादव, रविन्द्र विश्वकर्मा, मुकेश राय, कुंदन मण्डल सहित सभी जनप्रतिनिधि एवं हजारों की संख्या में दर्शकगण मौजूद रहे द्य आभार प्रदर्शन पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश यादव एवं सफल मंच का संचालन वरिष्ठ पार्षद रवि शंकर बउवा निर्णायक के रूप में पहलवान पिंटू यादव पन्ना यादव थे।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव उपस्थित रहे द्य 40 से अधिक पहलवानों के जमघट की सबसे खास बात यह थी कि उसमें मध्यप्रदेश कोतमा भालूमाड़ा से आई पूनम एकमात्र महिला पहलवान थी जिसने अपने प्रतिद्वंदी झांसी मध्यप्रदेश के शेरा पहलवान को पटखनी देकर मुकाबले को जीता द्य इसके अलावा नेपाल काठमांडू के पहलवान राजू थापा ने अपनी मूंछों पर ताव देते हुए अपने दोनों मुकाबले को जीतकर प्रतियोगिता में रोमांच पैदा कर दिया। गौरतलब है कि कुश्ती दंगल प्रतियोगिता के अंतिम और सबसे बड़ा मुकाबला चंडीगढ़ से आए संदीप राणा पहलवान और दिल्ली के बॉबी पहलवान के बीच हुआ जिसमें हिन्द केशरी के नाम से विख्यात संदीप राणा ने मुकाबला जीत कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर

विजयराज अग्रवाल राष्ट्रीय अग्र गौरव अलंकरण से सम्मानित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन, कोलकाता के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अग्र विभूति अलंकरण समारोह का आयोजन खाटूश्याम जी (राजस्थान) के छत्तीसगढ़ भवन में आयोजित किया गया, इस अलंकरण समारोह में बिश्रामपुर क्षेत्र के विजयराज अग्रवाल को राष्ट्रीय स्तर पर अग्र गौरव अलंकरण हेतु चयनित करने के उपरांत अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल एवं राष्ट्रीय संयोजिका उमा बंसल के द्वारा अभिनंदन पत्र एवं अग्र गौरव अवार्ड प्रदान किया गया। विजयराज अग्रवाल को नि:शक्तजनों के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्यों समाज में अपनी विशिष्ट सेवाओं तथा सक्रिय भागीदारी के लिए प्रदान किये गये अवार्ड के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर यह पुरूस्कार प्रदान किया गया, इसके पूर्व अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन नई दिल्ली के द्वारा राष्ट्रीय अवार्ड से तत्कालीन केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल के द्वारा इन्दौर में सम्मानित किया गया था। विगत वर्ष होटल हिंदमान इंटरनेशनल कोलकाता में विजयराज अग्रवाल को अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया था। विजयराज अग्रवाल को अभी तक तीन बार राष्ट्रीय स्तर पर एवं नौ बार राज्य स्तर पर अग्रवाल समाज के द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। राष्ट्रीय स्तर पर अग्र गौरव अलकरण सम्मान से सम्मानित किये जाने पर समूचे अग्रवाल समाज में हर्ष व्याप्त है। विजयराज अग्रवाल को छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा दिव्यांगजनों के शिक्षण प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के लिए 2008, 2010 एवं 2017 में अध्यक्षीय पुरूस्कार प्रदान किया गया है। अग्रवाल समाज ने व्यापार के क्षेत्र में अपना अहम योगदान देकर अर्थव्यवस्था को मजबूत कर शासन के सुदृढ़ संचालन में तो योगदान दिया ही है, इसके साथ ही राष्ट्र हित के लिये भी हमेशा आगे खड़ा रहा है। विजयराज अग्रवाल लगभग 35 वर्षों से सामाजिक सेवा कार्यों से निरन्तर जुड़े हुए है। बाल विवाह प्रथा को रोकने , दहेज प्रथा उन्मूलन, समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम, नशामुक्ति कार्यक्रम, वृद्धाश्रम, पेयजल व्यवस्था एवं स्वच्छता जैसे कार्यक्रमों को संस्थागत् स्तर पर क्रियान्वित करते रहे है। विजयराज अग्रवाल ने पाया कि शिक्षा एवं जागरुकता के अभाव में दिव्यांगजनों को शासन से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस कमी को दूर करने के लिये एवं दिव्यांगजनों को अपने अधिकारों से अवगत कराने के लिये निरन्तर प्रयास किया और सकारात्मक परिणाम दृष्टिगोचर हुए। विजयराज अग्रवाल समाज के सभी वर्गों को स्वास्थ्य, अधिकार एवं आत्मनिर्भरता के साथ ही उच्च शिक्षा देने के लिये निरन्तर कार्य कर रहे है। आदिवासी बाहुल्य पिछड़े क्षेत्र सरगुजा में शासकीय एवं अशासकीय सुविधाओं से वंचित लोगों को इसका लाभ दिलाने के लिये विजयराज अग्रवाल के कार्यों के आधार पर उन्हे सामाजिक सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त हुई है।

किताबों की गड़बड़ी रोकने होगी ट्रेकिंग सिस्टम की शुरूआत

पहली से दसवीं तक की पुस्तकों में होगा यूनिक नंबर और बारकोड

कोरबा। इस साल पहली से दसवीं तक की सारे पाठ्य पुस्तकों में एक यूनिक नंबर और बारकोड होगा। इस बारकोड की खासियत यह होगी कि पुस्तक को स्कैन करते ही पता चल जाएगा कि उक्त पुस्तक किस विद्यालय की है। ऐसे में शासकीय पुस्तकों के वितरण में गड़बड़ी करना अब आसान नहीं होगा। अगर किसी विद्यालय के द्वारा इन किताबों को बच्चों को बांटने के बजाए रद्दी में बेच दिया जाएगा या फेंक दिया जाएगा तो संबंधित विद्यालय पकड़ में आ जाएगा। किताबों की गड़बड़ी रोकने के लिए इस ट्रेकिंग सिस्टम की शुरूआत की गई है। उल्लेखनीय हैं की पिछले साल कुछ जिलों में शासकीय विद्यालयो की हजारों किताबें रद्दी में पाई गई थी। ऐसी गड़बड़ी फिर न हो और जरूरत के हिसाब से पुस्तकें छपे, इसके लिए पाठ्यपुस्तक निगम ने इस बार टेक्नोलॉजी का सहारा लिया है। इसे टैक्स बुक ट्रेकिंग सिस्टम का नाम दिया गया है। प्रत्येक पुस्तक पर एक बारकोड और एक आईएसबीएन (इंटरनेशनल स्टैण्डर्ड बुक नंबर) छपा होगा। इस बारकोड को मोबाइल से स्कैन करते ही यह पता लगाया जा सकेगा कि वह किताब कब और कहां छपी, किस विद्यालय को भेजी गई और कितने समय में छात्र तक पहुंची। विद्यालय को कुल कितनी किताबें मिली, कितने छात्रों में बंटी और और कितने शेष बच गए। बची किताबों को शिक्षकों ने वापस किया है या नहीं। सूत्रों के मुताबिक, इस सिस्टम से न केवल पारदर्शिता आएगी बल्कि पाठ्यपुस्तकों का गलत उपयोग रोकने में मदद मिलेगी। हर किताब में बारकोड प्रिंट होकर आएगी। विद्यालयो में किताब पहुंचने के बाद सबसे पहले शिक्षक हर एक किताब को पहले अपने मोबाइल के जरिए एक साफ्टवेयर की मदद से स्कैन करेंगे। इसमें विद्यालय का यूडाइस सहित अन्य जानकारी भरेंगे। इसके बाद ही छात्रों को बांटेंगे। इससे उक्त विद्यालय की सारी जानकारी उक्त बारकोड में फीड हो जाएगी। ऐसे में जब भी उस किताब को स्कैन किया जाएगा तो पता चल जाएगा कि उक्त किताब किस विद्यालय को भेजी गई थी और किस सत्र में भेजी गई थी।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान व अंतराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा निर्देश

सूरजपुर ब्यूरो-(दैनिक विश्व परिवार)- समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान को लेकर आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग से जानकारी ली गई। जिस पर सहायक आयुक्त द्वारा बताया गया कि 17 जून धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के शुभारंभ दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन ऑडिटोरियम तिलसिवां सूरजपुर में दोपहर 03:00 बजे किया जायेगा। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि 17 जून से विकासखण्ड भैयाथन में शिविर का आयोजन ग्राम बैजनापुर, सावांरावां, गोविन्दगढ़, खाड़ापारा, घोंसा एवं तरका में, विकासखण्ड ओडगी में शिविर का आयोजन ग्राम बेगारीडांड, दवेढी, कांतिपुर, सेमरा एवं विशालपुर में, विकासखण्ड प्रतापपुर में शिविर का आयोजन ग्राम भेल कच्छ, रमकोला, बरपटिया, दुलदुली, बोंगा,

गोविंदपुर, नरोला, धुम्माडांड एवं धुरिया में, विकासखण्ड प्रेमनगर में शिविर का आयोजन ग्राम गौरीपुर, नवापाराकला, खजूरी, कनकपुर में,विकासखण्ड रामानुजनगर में शिविर का आयोजन ग्राम पटना, आमगांव, कोट, साल्ही, चन्दरपुर, तेलसरा, बिशुनपुर, सागरपुर एवं रामपुर में और विकासखण्ड सूरजपुर में शिविर का आयोजन ग्राम देवीपुर, नयनपुर, चंपनगर, चंदरपुर, पतरापारा, नवगई एवं सरस्वतीपुर में होना है। शिविर के सफल संपादन हेतु कलेक्टर ने उपस्थित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये व इसके सतत मॉनीटरिंग की बात कही।

इसके साथ ही बैठक में अन्तराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर चर्चा की गई। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर 21 जून की तिथि पर जिला स्तरीय सामूहिक योग दिवस का कार्यक्रम
रंगमंच (नगर पालिका परिषद के सामने) सूरजपुर में प्रात: 07:00 बजे आयोजित किया जायेगा। जिसके सफल संपादन व सुव्यवस्थित प्रबंधन हेतु कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। 21 जून को जिले मे विकासखण्ड / नगरीय निकाय/ग्राम पंचायत स्तर पर भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। कार्यक्रम के सफल संपादन हेतु कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन द्वारा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू को नोडल व जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती वर्मा एवं उपसंचालक समाज कल्याण विभाग श्रीमती बेनेदिक्ता तिर्की
को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है व जिला स्तरीय कार्यक्रम हेतु ड्यूटी ऑर्डर जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त जनपद व नगरीय निकाय हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत / मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सामूहिक योग कार्यक्रम के सुव्यवस्थित संचालन हेतु विभिन्न दायित्व सौंपें गये हैं।

बैठक में डीएफओ श्री पंकज कमल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्री जगन्नाथ वर्मा, सर्व एसडीएम व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

एसएसपी सूरजपुर ने देर रात किया रात्रि गश्त प्वाइंट चेक, अफसरों व जवानों को दी कड़ी हिदायत

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-पुलिसकर्मी रात्रि गश्त ड्यूटी सही तरीके से कर रहे है अथवा नहीं इसका जायजा लेने डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर 15-16 जून 2025 की दरम्यिानी रात्रि में विश्रामपुर के विभिन्न रात्रि गश्त प्वाईंट ड्यूटी में तैनात अधिकारी व जवानों को चेक किया। उन्होंने विश्रामपुर के बस स्टैण्ड सहित अन्य प्वाईंट पर रात्रि गस्त में लगे अधिकारी और जवानों को चेक कर सुरक्षा संबंधी जरूरी निर्देश दिए और अफसरों व जवानों को चेताया कि सक्रियता के साथ गश्त होनी चाहिए ताकि चोरी नकबजनी जैसी वारदात न हो, रात्रि में अनावश्यक घुमने वाले संदिग्धों की पूरी तस्दीक करें कि वह कहां से आ रहे और कहां जाना है। डीआईजी व एसएसपी श्री ठाकुर ने पुलिसकर्मियों को आम जनता की सुरक्षा, कानून व्यवस्था तथा मजबूत रात्रि गश्त करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर सामाजिक संगठनों की भूमिका सराहनीय-राम सिंह अग्रवाल

कोरबा। जिला रेड क्रॉस सोसाइटी कोरबा के चेयरमेन राम सिंह अग्रवाल ने रेड क्रॉस सोसाइटी व सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वाधान में जिले के अनेक रक्तदान शिविरों में अपनी टीम की उपस्थिति दर्ज कराते हुए रक्तदान शिविर का जायजा लिया तथा सार्वजनिक उपक्रमों व सामाजिक संगठनों के द्वारा बढ़-चढ़कर रक्तदान शिविर आयोजन के साथ रक्तदान महादान में सैकड़ो सहभागियों ने अपना रक्तदान राष्ट्र के लिए समर्पित किया जिसकी रेड क्रॉस सोसाइटी ने भूरी भूरी प्रशंसा की। सर्वप्रथम जिला चिकित्सालय कोरबा में रक्तदान शिविर उद्घाटन के अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन राम सिंह अग्रवाल ने अपनी टीम के साथ रक्तदान शिविर में कार्यरत डॉक्टरो, कर्मचारीयों तथा रक्तदाताओं का हाल-चाल जाना। सार्वजनिक उपक्रम एसईसीएल कोरबा पूर्व मुख्य चिकित्सालय में विशाल रक्तदान शिविर में रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन राम सिंह के नेतृत्व में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जहां एसईसीएल कोरबा एरिया के महाप्रबंधक, मानिकपुर परियोजना के महाप्रबंधक, मुख्य चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सृष्टि महिला मंडल तथा एसईसीएल के सभी ट्रेड यूनियन के पदाधिकारी की उपस्थिति में बृहद रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया इस अवसर पर जिला रेड क्रॉस सोसाइटी ने उनके इस कार्य के लिए भूरी-भूरी प्रशंसा की। रेड क्रॉस सोसाइटी की टीम ने आरोग्यधाम पीली क्रीन, न्यू बस स्टैंड ट्रांसपोर्ट नगर में भी रक्तदान शिविर का निरीक्षण किया तथा कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा कोरबा के चेयरमेन राम सिंह अग्रवाल के नेतृत्व में वाइस चेयरमैन आरपी तिवारी, राज्य प्रतिनिधि योगेश जैन,प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य विनोद सिन्हा व जफर अली आदि उपस्थित थे।

पीएम सडक पर दौड़ रहे भारी वाहन, ट्रैफिक पुलिस ने लिया एक्शन

कोरबा। व्यापक जनहित को लेकर लोगों ने विभिन्न स्थानों पर मोर्चा खोलने शुरू कर दिया है और इसके नतीजे अब आसपास में ट्रांसपोर्टर लॉबी के द्वारा की जा रही मनमानी पर प्रशासन का एक्शन तेज हो गया है। भिलाई बाजार में ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट और ट्रैफिक पुलिस ज्वाइंट ऑपरेशन चलते हुए उन गाडियों पर कार्रवाई की जो नियम के विरुद्ध प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक पर दौड़ रहे थे। कोरबा जिले के सभी क्षेत्रों में अब इस प्रकार की कार्रवाई करने का ऐलान किया गया है। शनिवार को करतला विकासखंड के डोंगाआमा सालियाभाटा मार्ग पर ग्रामीणजनों ने चक्का जाम कर दिया था। उनका विरोध इस बात को लेकर था कि नेशनल हाईवे और भारतमाला का निर्माण कर रही भोपाल की दिलीप बिल्डकॉन के द्वारा ग्रामीण सडक को बर्बाद कर दिया गया है जबकि आसपास की इलाके से अवैध तरीके से निकल जा रही मिट्टी और के कारण संतुलन की स्थिति निर्मित हो रही है। इस प्रदर्शन को लेकर प्रशासन और पुलिस को यहां मोर्चा खोलना पड़ा और बाद में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने पर लोग हटे।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर मंगलवार 17 जून 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

प्रदेश को क्रीड़ा संस्थान की आवश्यकता...

भूपिंदर सिंह

खेल नीति में प्रदेश का अपना खेल संस्थान हो, ऐसी बात कही गई है। हिमाचल में खेल संस्थान बनता है तो प्रदेश के खिलाडिय़ों को अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता बनाने में तो वह सहायक सिद्ध होगा ही, साथ ही गर्मियों के लिए अच्छा प्रशिक्षण केन्द्र हो जाएगा भारत 2036 के ओलंपिक व 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी दावेदारी पेश कर चुका है। ऐसे में देश के खिलाडिय़ों को इन खेलों में पदक विजेता प्रदर्शन जरूरी हो जाता है। हिमाचल प्रदेश जहां यूरोप व अमेरिका की तरह जलवायु होने के कारण यहां पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक उच्च स्तरीय खेल संस्थान हो, क्योंकि बेहतर आबोहवा में प्रशिक्षण के लिए करोड़ों खर्च करके हमारे खिलाड़ी विदेश जाते हैं। देश में राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला बहुत बढिय़ा प्रशिक्षण स्थल है, मगर वहां गर्मियों में ट्रेनिंग करना बहुत मुश्किल है। जब हम राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला में प्रवेश करते हैं तो गेट से सौ मीटर आगे चल कर बायीं ओर एक शिला पर लिखा है विश्वविद्यालयों के ग्रंथकीट नहीं, वरिष्ठ लिपिक नहीं, अपितु हमें ऐसे महापुरुष निकालने चाहिए जो विश्वपटल पर भारत को गौरव प्रदान कर सकें। खेल संस्थान का मतलब विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कराने वाला संस्थान। हिमाचल प्रदेश में स्तरीय खेल ढांचे के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठा कर जन गण मन की धुन पूरे विश्व को सुना सके। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन हुक्मरानों ने खेल विभाग को कभी खेल प्राधिकरण तो कभी खेल संस्थान बनाने की वकालत की है, मगर हिमाचल प्रदेश में खेलों की हकीकत सबके सामने है। नई खेल नीति में राज्य खेल संस्थान का भी जिक्र है। हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए विश्व स्तरीय खेल ढांचा तो बन कर तैयार हो चुका है, मगर प्रशिक्षकों व अन्य सुविधाओं के अभाव में वहां पर उस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में अभी तक भी खेल संस्कृति का अभाव साफदेखा जा सकता है। धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाडिय़ों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर नई खेल नीति में सुधार किया गया है, मगर देखते हैं इसका जब जमीनी हकीकत से सामना होगा तो वास्तव में सरकारी तंत्र व खेल संस्थान इसे कितना सही कार्यनिष्पादित करवा पाते हैं। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिटनेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खेल नीति में हिमाचली खिलाडिय़ों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुए सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खोलने को कहा गया है तथा भविष्य में विभिन्न बड़ी कंपनियों से सीआरएस के माध्यम से राज्य में खेल ढांचे को सुदृढ़ करने की मंशा भी है। मनरेगा से भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले फील्ड की सुविधा जुटाने की बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है। यह अलग बात है कि कुछ जुनूनी प्रशिक्षकों के बल पर कभी-कभी अच्छे परिणाम दे पाया हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर कुछ एक खेलों को छोडक़र अधिकांश बार पिछड़ा ही रहा है। हिमाचल हो या देश का कोई अन्य राज्य, उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए केवल प्रशिक्षक ही मुख्य किरदार दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत का खेल मंत्रालय व कई राज्य भी अपने यहां हाई परफॉर्मेंस प्रशिक्षण केन्द्र खोलने पर जोर दे रहे हैं तथा वहां पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों को अनुबंधित कर रहे हैं। खेलो इंडिया, गुजरात व पंजाब के उच्च खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षण केन्द्रों की तरह ही हिमाचल प्रदेश में भी अधिक से अधिक इस तरह के हाई परफॉर्मेंस केंद्र व अकादमियां खोलनी होंगी। इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन करवाने वाले अनुभवी प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने की शर्तों पर पांच वर्षों के लिए अनुबंधित करना चाहिए, ताकि हिमाचल प्रदेश की संतानों को भी हिमाचल प्रदेश में रह कर ही वह प्रशिक्षण सुविधा मिल सके। केन्द्र व केरल सरकार की तर्ज पर प्रशिक्षकों को भी खिलाड़ी की तरह नकद ईनामी राशि व अवार्ड का प्रावधान किया गया है। आप हर विद्यार्थी को फिटनेस के लिए खेल मैदान में ले जाएंगे, तो उनमें से जरूर कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। प्रतिभा खोज के बाद पढ़ाई के साथ-साथ प्रशिक्षण के लिए अच्छी खेल सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिएं। इसके लिए राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान की तर्ज पर अपना राज्य क्रीड़ा संस्थान हो, इसके लिए खेल मंत्री कृतसंकल्प नजर आते हैं। जल्द ही इसे अमलीजामा पहनाया जा सकता है। खेल संस्थान में हिमाचल प्रदेश के खिलाडिय़ों को वैज्ञानिक आधार पर लंबी अवधि के प्रशिक्षण शिविर लगें तथा प्रदेश के शारीरिक शिक्षकों व पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाडिय़ों के लिए सेमिनार व कम अवधि के प्रशिक्षक बनने के कोर्सेज हों। साथ ही साथ यहां पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पूर्व लगने वाले कोचिंग कैम्प भी अनिवार्य रूप से लगाए जाएं ताकि पहाड़ के लोगों को भी वही सुविधा उपलब्ध जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट प्रदर्शन किए जा सकें। खेल नीति में उन राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए वजीफे की बात की गई है देश में राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला बहुत बढिय़ा प्रशिक्षण स्थल है, मगर वहां गर्मियों में ट्रेनिंग करना बहुत मुश्किल है। जब हम राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला में प्रवेश करते हैं तो गेट से सौ मीटर आगे चल कर बायीं ओर एक शिला पर लिखा है विश्वविद्यालयों के ग्रंथकीट नहीं, वरिष्ठ लिपिक नहीं, अपितु हमें ऐसे महापुरुष निकालने चाहिए जो विश्वपटल पर भारत को गौरव प्रदान कर सकें। खेल संस्थान का मतलब विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कराने वाला संस्थान। हिमाचल प्रदेश में स्तरीय खेल ढांचे के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठा कर जन गण मन की धुन पूरे विश्व को सुना सके।जो खेल छात्रावास के बाहर हों, उन्हें भी खेल छात्रावास के अंतर्गत दैनिक खुराक भत्ता व अन्य सुविधाओं के ऊपर खर्च होने वाली राशि के बराबर वजीफा देने की वकालत हो। खेल प्राधिकरण बनने से पहले राष्ट्रीय स्तर पर यह कार्य राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला करता था। खेल नीति में प्रदेश का अपना खेल संस्थान हो, ऐसी बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में खेल संस्थान बनता है तो हिमाचल प्रदेश के खिलाडिय़ों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पदक विजेता बनाने में तो वह सहायक सिद्ध होगा ही, मगर साथ-साथ गर्मियों के लिए देश के पास एक अच्छा प्रशिक्षण केन्द्र हो जाएगा। ऐसा होता है तो भारतीय खिलाडिय़ों को यूरोप व अमेरिका में कैंप कराने के करोड़ों रुपए बचेंगे। वहीं पर हिमाचल प्रदेश को अच्छा राजस्व भी अवश्य मिलेगा।

निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी

यूक्रेन और रूस के बीच तुर्किये में शांति वार्ता का दूसरा दौर चल रहा है। इस खबर से दुनिया भर में राहत की सांस ली जानी चाहिए थी, लेकिन कोई इसके सार्थक परिणामों की उम्मीद नहीं कर रहा। दोनों देशों में अभी तक मृत सैनिकों के शवों और घायल सैनिकों की अदला-बदली पर ही सहमति बनी है, जबकि युद्ध तीन साल से बदस्तूर जारी है। दोनों देशों में हो रही वार्ता की तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान अध्यक्षता कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों की हालिया टिप्पणियों से पहले ही संकेत मिल चुके हैं कि युद्ध को रोकने की दिशा में फिलहाल कोई ठोस प्रगति नहीं होने जा रही है। जंग का हाल ये है कि रोज इसकी गंभीरता बढ़ती जा रही है। अग्रिम मोर्चे पर भीषण लड़ाई चल रही है और दोनों पक्ष एक-दूसरे के क्षेत्र में भीतर तक हमले कर रहे हैं। पहले इस युद्ध में यूक्रेन को कमजोर समझा जा रहा था और पूरी दुनिया मान बैठी थी कि यूक्रेन जल्द ही हथियार डाल देगा और रूसी राष्ट्रपति पुतिन अपने मकसद में कामयाब हो जाएंगे, लेकिन यूक्रेनी सेना इस युद्ध को तीसरे साल तक खींचने में कामयाब रही है। रविवार को तो यूक्रेन ने रूस को एसा सबक सिखाया जिसे पुतिन और रूसी सेना कभी नहीं भूल पाएगी। यूक्रेनी सेना ने ड्रोन हमले करके रूस के भीतर कई अहम एयर स्ट्रिप को बरबाद कर 40 से अधिक रूसी विमानों की कब्रगाह बना डाली। खिसियाया रूसी रक्षा मंत्रालय मार गिराए गए यूक्रेनी ड्रोन की संख्या बताकर ही खीझ मिटा रहा है। यूक्रेन पर रूसी हमले पहले की तरह जारी हैं। युद्ध अब अत्याधुनिक पैंतरेबाजी तक पहुंच गया है। इसमें अब सैनिकों से ज्यादा ड्रोन की भूमिका हो गई है। युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र और बड़े देशों की भूमिका निंदनीय बनी हुई है। ये सभी इसे पुतिन का निजी मामला समझकर सुविधाजनक दूरी बनाए हुए हैं। यूक्रेन को सैन्य सामग्री देकर ही नाटो भी संतुष्ट है। अमेरिका रूस से तेल, गैस और यूरेनियम खरीदन वालों पर 500 फीसद शुल्क लगाने के विधेयक पर विचार की तैयारी कर रहा है। भारत और चीन इसका सीधा शिकार बनेंगे जो रूस से भारी मात्रा में ये सामान खरीद रहे हैं। इस युद्ध से पुतिन भी संकट में हैं, क्योंकि उन्होंने ऐसे युद्ध में गर्दन फंसा ली है जहां से निकलना संभव नहीं हो रहा। यूक्रेनी शहरों की तबाही और लाखों लोगों के विस्थापन के साथ दुनिया की भी सांस हलक में अटकी है। इस्तांबुल वार्ता का किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी है।

आलेख

डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका को विश्व के सामने गैर जिम्मेदार देश बना रहे हैं

अजय दीक्षित

जब से डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं तब से लगातार कभी टैरिफ बार को लेकर,तो कभी यूक्रेन रूस युद्ध को लेकर,अब ताज़ा हालत लॉस एंजिल्स और फ्लोरिडा में सेना तैनात कर, विवादों में फंस रहे हैं। इससे पूरे संसार के सामने अमेरिका की किरकिरी हो रही है।वे इतने अस्थिर दिमाग के है कि उनके समर्थक देशों में ट्रंप की कार्यप्रणाली को लेकर चिंता है। नाटो देश भी सकते में हैं। यूरोपीय देशों में व्यापार और सुरक्षा को भ्रम बना हुआ है। नवंबर 2024 के चुनाव से पहले उनके सेकंड मेन इलेन मस्क ने भी उनसे पिंड छुड़ा लिया है। ट्रंप के फैसले ऐसे है कि व्हाइट हाउस में यूएस फाइनेंस सेकेट्री स्टीव बेसेंट और एलन मस्क में मारपीट हो गई है। यदिप डॉनल्ड ट्रंप का 2016 से 2020 तक का पहला कार्य काल इतना खौफनाक नहीं था।2024 में चुनाव से पहले ट्रंप ने कहा था कि अगर वे पुन: सत्ता में आते हैं तो रूस यूक्रेन युद्ध समाप्त होगा और इसराइल हमास युद्ध भी बंद होगा। लेकिन जनवरी 2025 में कार्यभार संभालने के बाद अमेरिका को उन्होंने व्यापारी बना दिया और चाइना,भारत,पर अनाप शनाप टैक्स आयात पर लगा दिए और उस टैक्स टैरिफ को जुआ खेलने की तरह बढ़ाने लगे फिर समझौता कर लिया। यूक्रेन रूस युद्ध में बातचीत की परन्तु न तो जलेशकी ने मानी न पुतिन ने अंत में यह कहकर पीछे छोड़ दिया कि पुतिन क्रेजी हैं। जलेशकी को व्हाइट हाउस में बुलाकर अमर्यादित भाषा बोली और बिना खाना खिलाए चलता कर दिया। यूक्रेन की मदद के अबज में खनिज संपदा दोहन का अधिकार हासिल किया। यूक्रेन रूस युद्ध से हाथ खींचने से यूरोपीय देश जर्मनी फ्रांस इटली हंगरी पोलैंड चेकोस्लोवाकिया ब्रिटेन नाराज हो गए और उन्होंने यूक्रेन को युद्ध में हथियार देना जारी रखा है।यहां तक कि नाटो देश का संगठन भी अपने अस्तित्व को समझने में लगा है। अमेरिका अप्रवासियों का देश है यहां पर करोड़ लोगों का काम की आवश्यकता के लिए आते हैं। लॉस एंजिल्स संकट भी इसी से जुड़ा है। अप्रवासियों के लिए नए नए नियम बनाए जा रहे हैं जबकि कई लाख अप्रवासियों की तीसरी पीढ़ी कार्य कर रही है। हार कर इन लागों ने फेडरल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है तो ट्रंप ने सेना तैनात कर दी है। अमेरिका विश्व की 31 त्रियलन डॉलर की इकोनॉमी है इसमें अप्रवासियों का बहुत योगदान है। अमेरिका में बहुत बड़ा बाजार है और सबसे बड़ा खरीददार भी है जिसमें फार्मासेटिकल, ऑटोमोबाइल, पेट्रोलियम पदार्थों, कपड़ों,का बहुत से अन्य भी शामिल हैं। अमेरिका पूरे यूरोपीय देशों को गोला बारूद, स्नाइपर्स, लड़ाकू विमानों, यात्री विमान, हेलिकाप्टर, रेल सड़क परिवहन निर्माण कार्यक्रम भी करता है। यूएस प्रेसिडेंट की पूर्व में एक गरिमा थी उससे ऊलजुलूल व्यानबाजी की उम्मीद नहीं करते थे लेकिन डॉनल्ड ट्रंप ऐसा ही कर रहे हैं और वे ग्यारह बार कह चुके भारत पाकिस्तान युद्ध में सीज फायर उन्होंने कराया है। कभी कभी ट्रंप उन घटनाओं को हल्के में लेते हैं और बयान जारी कर देते हैं जैसे कश्मीर का मामला ।भारत को कहना पड़ा कि सीज फायर में कश्मीर कोई बात नहीं हुई न होगी । लॉस एंजिल्स में फेडरल सरकार और कैलिफोर्निया की सरकार आमने सामने है।ट्रंप ने फेडरल गार्ड शहर में तैनात कर दिए हैं जबकि आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी कैलिफोर्निया राज्य की है। डॉनल्ड ट्रंप पर अश्वेतों को बाधित करने का आरोप भी है। डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका में राष्ट्रवाद के द्योतक हैं।जबकि अमेरिका ने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, ब्राजील, भारत, पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर यमन दोहा कुवैत रूस इराक ईरान लीबिया सीरिया लेबनान के लाखों लोगों रहते हैं। कमला हैरिस, भी विदेश मूल की है। यूएस प्रेसिडेंट के रूप में अब्राहिम लिंकन, जॉर्ज वाशिंगटन, रोनाल्ड रेगन, बराक ओबामा, रूजवेल्ट, सरीखे लोग इस पद पर रहे हैं। एक दो प्रेसिडेंट को छोड़कर सभी गवर्नर रहे । लेकिन डॉनल्ड ट्रंप एक बहुत बड़े बिल्डर हैं।

बैंकिंग प्रणाली को ग्राहक-केंद्रित बनाने की जरूरत

विनीत नारायण

भारतीय बैंकिंग प्रणाली, जो देश की आर्थिक रीढ़ मानी जाती है, समय-समय पर ग्राहकों के साथ अनुचित व्यवहार के लिए आलोचना का विषय बनती रही है। हाल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नये दिशा-निर्देशों का ऐलान किया गया जिनसे देश भर के बैंकों में नये सेवा शुल्कों और लेन देन की सीमाओं को लेकर असमंजस की स्थिति है। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कंफेडरेशन के पूर्व महासचिव थॉमस फ्रैंको ने हाल में बैंकों द्वारा ग्राहकों से अनुचित शुल्क वसूलने और आरबीआई की नीतियों के प्रभावों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। फ्रैंको ने बैंकों की उन प्रथाओं पर प्रकाश डाला है, जिनके माध्यम से ग्राहक अनजाने में अतिरिक्त शुल्क और चार्जेस का बोझ उठाते हैं। उनके अनुसार, बैंक न केवल अपनी सेवाओं के लिए मनमाने ढंग से शुल्क बढ़ाते हैं, बल्कि ग्राहकों को अनुचित नियमों और शतरे के जाल में भी फंसाते हैं। उदाहरण के लिए, एटीएम लेन देन पर लगने वाले शुल्क, न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता और तीसरे पक्ष के उत्पादों (जैसे बीमा) की गलत बिक्री (मिस-सेलिंग) आम ग्राहकों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। आरबीआई के दिशा-निर्देशों के बावजूद बैंक ग्राहकों के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने में विफल रहे हैं। वे बताते हैं कि बैंकों द्वारा लगाए गए कई शुल्क, जैसे एटीएम से नकदी निकासी पर चार्ज या न्यूनतम बैलेंस न रखने की सजा, ग्राहकों के लिए अनुचित और बोझिल हैं। विशेष रूप से छोटे बचत खाताधारकों और ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है। आरबीआई ने हाल में एटीएम संचालन, लेन देन सीमा और शुल्क से संबंधित नये दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों के अनुसार, ग्राहकों को अपने बैंक के एटीएम पर सीमित मुफ्त लेन देन की सुविधा दी जाती है, और अन्य बैंकों के एटीएम पर भी मुफ्त लेन देन की संख्या निर्धारित की गई है। इन सीमाओं को पार करने पर ग्राहकों से शुल्क वसूला जाता है। फ्रैंको का तर्क है कि ये दिशा-निर्देश बैंकों को ग्राहकों से अतिरिक्त शुल्क वसूलने की छूट देते हैं, जिससे आम आदमी पर बोझ बढ़ता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई ग्राहक अपने बैंक के एटीएम से पांच मुफ्त लेन देन के बाद अतिरिक्त निकासी करता है, तो उसे प्रति लेन देन 20 रु पये तक का शुल्क देना पड़ सकता है। इसी तरह, अन्य बैंकों के एटीएम पर तीन मुफ्त लेन देन के बाद शुल्क लागू होता है। फ्रैंको के अनुसार, यह व्यवस्था ग्राहकों को उनकी ही बचत का उपयोग करने के लिए दंडित करती है। आरबीआई ने डिजिटल बैंकिंग और साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जैसे मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और अनिधकृत लेन देन की स्थिति में ग्राहकों की शून्य देयता। हालांकि, फ्रैंको का कहना है कि इन नियमों का कार्यान्वयन अपर्याप्त है। बैंकों द्वारा ग्राहकों को सूचित करने और शिकायत निवारण की प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी बनी रहती है। थॉमस फ्रैंको ने बैंकों द्वारा तीसरे पक्ष के उत्पादों, विशेष रूप से बीमा और म्यूचुअल फंड, की मिस-सेलिंग पर विशेष ध्यान दिया है। उनके अनुसार, बैंक कर्मचारी अक्सर ग्राहकों, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, को भ्रामक जानकारी देकर ऐसे उत्पाद बेचते हैं, जो उनकी वित्तीय जरूरतों के लिए उपयुक्त नहीं होते। उदाहरण के लिए, सिंगल प्रीमियम बीमा पॉलिसियों की बिक्री में ग्राहकों को जोखिमों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग अपनी बचत खो देते हैं। अक्सर देखा गया है कि बैंकों द्वारा ग्राहकों को अनुचित शतरे वाले ऋण समझौतों में फंसाया जाता है। उदाहरण के लिए, फ्लोटिंग रेट होम लोन लेने वाले ग्राहकों को ब्याज दरों में कमी का लाभ स्वचालित रूप से नहीं दिया जाता और इसके लिए अतिरिक्त शुल्क वसूला जाता है। यह न केवल अनुचित है, बल्कि आरबीआई के ग्राहक अधिकार चार्टर का भी उल्लंघन है, जिसमें निष्पक्ष व्यवहार और पारदर्शिता की बात कही गई है। आरबीआई ने 2014 में ग्राहक अधिकार चार्टर जारी किया था, जिसमें पांच मूलभूत अधिकारों की बात की गई थी-निष्पक्ष व्यवहार, पारदर्शिता, उपयुक्तता, गोपनीयता और शिकायत निवारण। हालांकि, फ्रैंको और अन्य उपभोक्ता कार्यकर्ताओं का कहना है कि आरबीआई ने इन अधिकारों को लागू करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए। उदाहरण के लिए, शिकायत निवारण के लिए समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है, और बैंकिंग लोकपाल अक्सर बैंकों के पक्ष में ही फैसले सुनाता है। आरबीआई को बैंकों पर सख्ती बरतनी चाहिए और अनुचित शुल्क वसूली, मिस-सेलिंग और एकतरफा समझौतों पर रोक लगानी चाहिए। उनके अनुसार, आरबीआई की निष्क्रियता बैंकों को ग्राहकों का शोषण करने की खुली छूट देती है। बैंकों की इन प्रथाओं का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्ग, छोटे बचतकर्ताओं और ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों पर पड़ता है। न्यूनतम बैलेंस न रख पाने वाले खाताधारकों से भारी जुर्माना वसूला जाता है, जो उनकी बचत को और कम करता है। डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर धोखाधड़ी के मामले भी बढ़े हैं, और ग्राहकों को नुकसान की भरपाई के लिए लंबी कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। ऐसे में कुछ समाधान पर आरबीआई को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। टेलीकॉम सेक्टर की तरह बैंक खातों की पोर्टेबिलिटी को आसान करना चाहिए ताकि ग्राहक आसानी से बैंक बदल सकें। सभी शुल्क और चार्जेस की जानकारी स्पष्ट और सरल भाषा में देनी चाहिए। तीसरे पक्ष के उत्पादों की बिक्री के लिए सख्त नियम और ग्राहक की सहमति अनिवार्य होनी चाहिए। आरबीआई को शिकायत निवारण के लिए समय सीमा निर्धारित करनी चाहिए और बैंकों पर दंड लगाना चाहिए। छोटे लेन देन और ग्रामीण क्षेत्रों में एटीएम शुल्क को खत्म करना चाहिए। बैंकों द्वारा ग्राहकों से अनुचित शुल्क वसूलने और मिस-सेलिंग की प्रथाएं आम आदमी के लिए वित्तीय बोझ बढ़ा रही हैं। फ्रैंको का यह संदेश-कि 'ग्राहकों का सशक्तिकरण धन संरक्षण का सबसे सुरक्षित तरीका है।

स्मार्ट पुलिसिंग एक आधुनिक दृष्टिकोण

अनुज आचार्य

सबसे बड़ी जरूरत पुलिस अफसरों और कर्मचारियों के कामकाज में राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए और उन्हें जनता जनार्दन की सेवा के लिए फ्री हैंड दिया जाना चाहिए ताकि वे निर्भय, निष्पक्ष और सत्यनिष्ठ रहकर अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन कर सकें भारत में सभी राज्यों की अपनी पुलिस व्यवस्था है, जो वहां के राज्य विधानमंडलों द्वारा पुलिस से संबंधित बनाए गए कानूनों के तहत कार्य करती हैं। कुछ केंद्रीय कानून भी देश भर की पुलिस के लिए बनाए गए हैं, इन्हें पुलिस अधिनियम 1861 कहा जाता है। हिमाचल प्रदेश में हिमाचल प्रदेश पुलिस अधिनियम 2007 के अनुसार, हर पुलिस अधिकारी को अपने कर्त्तव्यों और जिम्मेदारियों का पालन अपनी सर्वोत्तम योग्यता से करना चाहिए। लेकिन पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश में बड़े पुलिस अफसरों में तालमेल न होने की बातें सामने आने पर सवाल उठ रहा है कि क्या हिमाचल प्रदेश पुलिस में सब ठीक नहीं है? भारत के सभी राज्यों के अपने-अपने पुलिस बल हैं जो कानून व्यवस्था एवं लोक व्यवस्था को बनाए रखने, अपराध नियंत्रण तथा जनता से प्राप्त शिकायतों का निस्तारण करने के अलावा समाज के समस्त वर्गों में सद्भाव कायम रखने, महत्वपूर्ण व्यक्तियों एवं संस्थानों की सुरक्षा करने के साथ-साथ अपने नागरिकों की जान व माल की सुरक्षा करने की जिम्मदारी संभालते हैं। पुलिस पर राज्यवार व्यय में हिमाचल प्रदेश सरकार अपने राज्य बजट का 1.9 फीसदी हिस्सा व्यय करती है। हिमाचल में इस समय 135 पुलिस स्टेशन हैं और मई 2025 तक हिमाचल प्रदेश पुलिस की कुल संख्या लगभग 15100 से अधिक थी। इसमें 89 आईपीएस अधिकारी, 169 राज्य पुलिस सेवा अधिकारी, 2051 एनजीओ ग्रेड-एक और 14794 एनजीओ ग्रेड-दो शामिल हैं। पुलिस रैंकिंग की बात करें तो 7 छोटे राज्यों में प्रदर्शन के आधार पर हिमाचल पुलिस का छठवां स्थान बताता है कि राज्य पुलिस को अभी भी अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाने की व्यापक गुंजाईश है। पुलिस तंत्र में व्यापक एवं त्वरित सुधारों की मांग आज भी समय की मांग बनी हुई है। आज के दौर में अपराधियों की बदलती कार्यशैली के दृष्टिगत पुलिस की भूमिका भी बदल रही है और उसे भी शातिर अपराधियों और आतंकवादियों की चुनौती से निपटने हेतु नवीनतम हथियारों और कंप्यूटर विज्ञान की तकनीकों से प्रशिक्षित किया जा रहा है, लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर

लोगों/पर्यटकों की हुल्लड़बाजी, गुंडागर्दी, नशेड़ी लोगों पर लगाम, साइबर ठगी, नशीले एवं मादक पदार्थों का बढ़ता कारोबार और घरों में चोरियों की घटनाओं के अपराधियों तक पुलिस की पहुंच को आसान बनाने के लिए उन्हें बेहतरीन उपकरण, प्रशिक्षित डॉग्स स्क्वाड, वाहन और विशेष कार्यबल की उपलब्धता पर ध्यान देने की जरूरत है। आज भी अपराधी अपना काम कर निकल जाते हैं और पुलिस घंटों बाद घटनास्थल पर पहुंचती है। कहीं-कहीं पुलिस वालों के पास वाहन हैं तो पैट्रोल नहीं है, तो वहीं कई मामलों में पुलिस टालमटोल वाला रवैया भी अपनाती है अथवा मामलों को रफा-दफा करने का काम भी करती है। यदि देश में कानून व्यवस्था एवं अमन-शांति को बरकरार रखना है तो केंद्र एवं राज्य सरकारों को न केवल पुलिस सुधारों को अमलीजामा पहनाना होगा, अपितु पुलिस कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोतरी करके उन्हें अत्याधुनिक सुविधाओं द्वारा देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को यकीनी बनाने वाले बल के रूप में भी तैयार करना होगा। पश्चिमी देशों की तर्ज पर भारत में भी स्मार्ट पुलिसिंग व्यवस्था को लागू किए जाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को व्यापक सुधारों को लागू करने के साथ-साथ पुलिस बलों के लिए बजटीय आबंटन बढ़ाने की जरूरत है। दूसरे युवा पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को बैरकों में ही बिठाए रखने की बजाय उन्हें जनता के बीच में उतारने की सख्त आवश्यकता है ताकि आम पब्लिक के बीच में उनकी सक्रिय मौजूदगी से विश्वास बहाली हो और अपराधियों पर अंकुश लगाने में भी मदद मिले। हिमाचल प्रदेश की ही बात करें तो भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बदलती तकनीक के साथ अपराध के तौर-तरीकों में भी बदलाव के मद्देनजर पुलिस विभाग को अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव लाने के निर्देश देते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ अन्य आधुनिक सॉफ्टवेयर के उपयोग करने की आवश्यकता जताई है। हिमाचल प्रदेश के पुलिस थानों में वर्तमान जनसंख्या के अनुपात में कई कमियां हैं, जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर सुधारने की आवश्यकता है। पुलिस विभाग में फील्ड गतिविधियों के लिए मोटरसाईकिल, पेट्रोल, डीजल वाहनों और स्टाफ के लिए ई-वाहन उपलब्ध करवाए जाने के अतिरिक्त आबादी, क्षेत्रफल, अपराध दर, पर्यटकों की संख्या सहित अन्य कारकों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के पुलिस थानों की पुन:संरचना पर जल्दी निर्णय लिए जाने चाहिए ताकि वहां स्थानीय जरूरतों और इन कारकों के आधार पर पर्याप्त पुलिस कर्मचारी और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, मंगलवार 17 जून 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मुनि श्री संधान सागर जी महाराज ने भोपाल में किये केशलोंच

भोपाल (विश्व परिवार)। संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक युवा तरुणाई के प्रखर वक्ता परम तपस्वी मुनि श्री 108 संधान सागर जी महाराज ने भोपाल स्थित अवधपुरी के आचार्य विद्यासागर प्रबंध विज्ञान संस्थान मे आज प्रात:काल केशलोंच किये। परम पूज्य मुनि श्री जी जब से दीक्षित हुए आचार्य श्री के साथ ही केशलोंच करते थे। आचार्य श्री जी का अंतिम केरालोंच पंचमी तिथी को हुआ था तब से पूज्यवर हर दो माह मे पंचनी को ही उत्कृष्ट केशलोंच सम्पन्न करते है। पूज्य मुनि श्री परम पूज्य मुनि श्री 108 प्रमाणसागर जी महाराज के साथ विराजमान है। मुनिमहाराज के लिए दो से चार माह के बीच केशलोंच करना अनिवार्य मूलगुण है। पूज्य श्री दीक्षा के बाद से ही उत्कृष्ट केशलोंच करते है। धन्य है ऐसे मुनिराज की उत्कृष्ट चर्चा। इस अवसर पर स्थानीय समाज एवं भक्तो ने केशलोच का अनुपम दृश्य देखकर अपने पुण्य को बढ़ाया।

जैन धर्म के बारहवें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य का गर्भ कल्याणक दिवस एवं तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमल नाथ का मोक्ष कल्याणक जैन मंदिरों में होगें विशेष धार्मिक आयोजन

जयपुर (विश्व परिवार)। जैन धर्म के बारहवें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य का गर्भ कल्याणक एवं तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमल नाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मंगलवार, 17 जून को भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार इस मौके पर मंदिरों में प्रात: अभिषेक, शांतिधारा के बाद दोनों तीर्थंकरों की विशेष पूजा अर्चना की जावेगी। पूजा के दौरान भगवान वासुपूज्य का गर्भ कल्याणक श्लोक एवं भगवान विमल नाथ का मोक्ष कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए अर्घ्य चढाया जायेगा। इस मौके पर भगवान विमलनाथ के मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया जावेगा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के मुताबिक आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जग्गा की बावड़ी, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मनिहारो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर संघीजी, सांगानेर के संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर, एस एफ एस दिगम्बर जैन मंदिर, मीरा मार्ग दिगंबर जैन मंदिर, तारों की कूट पर सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सहित कई मंदिरों में विशेष आयोजन होगें। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार शुक्रवार, 20 जून को जैन धर्म के इक्कीसवें तीर्थंकर भगवान नमिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव जैन धर्मावलंबियों द्वारा जैन मंदिरों में भक्ति भाव से मनाया जाएगा। -**विनोद जैन 'कोटखावदा'**

श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर पद्मनाभपुर का दो वार्षिक प्रबंध कार्यकारिणी का हुआ चुनाव

दुर्ग (विश्व परिवार)। 1008 श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर पद्मनाभपुर का दो वार्षिक चुनाव (2025/2027) दिन रविवार को प्रबंध कार्यकारिणी का चुनाव हुआ। जिसमें अध्यक्ष रमेश बाकलीवाल, उपाध्यक्ष अभिषेक जैन, सचिव राकेश जैन, सह सचिव शैलेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष अनिल जैन, सह कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन एवं कार्यकारिणी सदस्य नितिन जैन, पंकज भारतीय, पीयूष कौशल, कमलेश जैन, मयंक जैन, ऋषभ जैन, सुमित जैन चुने गए। पश्चात प्रबंध कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने समाज और मंदिर जी के हित में कुछ फैसले लिए जिसमें भविष्य में मंदिर जी में निमित्त कार्यक्रम, साधु सेवा, संघ और संतों की आहार विहार और धार्मिक कार्यक्रम यथा समय पूर्ण किए जाएंगे की शपथ ली तथा रुके हुए कुछ कार्य तेजी से पूर्ण किए जाएंगे और विकास निरंतर चलता रहेगा। उक्त जानकारी समाज के संजय बोहरा ने दी।

रायपुर नगर निगम द्वारा फोटोग्राफी और रील प्रतियोगिता का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष्य में रायपुर नगर निगम द्वारा 'रील में स्वच्छता का फील' जिंगल रील प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। साथ ही नेशनल कैमरा डे के उपलक्ष्य में 'स्वच्छ एवं सुंदर रायपुर' थीम पर 'स्वच्छता स्नैपशॉट' फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है। रील प्रतियोगिता में नागरिक रायपुर की स्वच्छता एवं सुंदरता से जुड़ी जिंगल रील का वीडियो गूगल फॉर्म लिंक https\Ñ//bit.ly/ykGrOGS पर 23 जून तक भेज सकेंगे। श्रेष्ठ वीडियो को स्वच्छ भारत मिशन के सोशल मीडिया पर पोस्ट किया जाएगा। साथ ही विजेताओं को निगम द्वारा ई-सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नागरिक रायपुर की स्वच्छता एवं सुंदरता से जुड़े फोटो गूगल फॉर्म लिंक https\Ñ//bit.ly/ykWv|dj पर 25 जून तक भेज सकेंगे। श्रेष्ठ फोटो को स्वच्छ भारत मिशन के सोशल मीडिया पर पोस्ट किया जाएगा। साथ ही विजेताओं को निगम द्वारा ई-सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा।

प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर महाराज जी का आज 153वां जन्म जयंती महोत्सव : डॉ. जीवनप्रकाश जैन

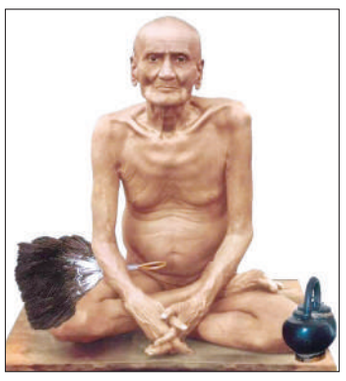

अयोध्या (विश्व परिवार)। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद कोल्हापुर के कार्याध्यक्ष श्री अभिषेक अशोक पाटील, कोल्हापुर ने कहा कि, जैन धर्म कि सर्वोच्च साध्वी भारत गौरव गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ससंघ अयोध्या (उ.प्र.) में विराजमान हैं। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जीवनप्रकाश जैन जी ने कहा कि आज प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर महाराज जी का 153 वां जन्म जयंती महोत्सव हैं।

आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के बारे में हम क्या ही कह सकते हैं। मेरा परम सौभाग्य है की ऐसे चारित्र्य चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का वर्तमान में आचार्य पदारोहण का शताब्दी वर्ष सन 2024 में मनाया गया। सन 1924 में उन्हें समडोली महाराष्ट्र में आचार्य पद पर समाज ने प्रतिष्ठापित किया था। और वे बीसवीं शताब्दी में प्रथम आचार्य के रूप में इस धरती पर हम सबके लिए दिगदिगन्त बने थे। आज भी उन आचार्य महाराज की सारी बातें चाहे हमने दर्शन न किये हो, लेकिन पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के मुख से जब हम सुनते हैं। तो ऐसा लगता है कि हमने भी आचार्य श्री शांतिसागर महाराज के साक्षात दर्शन ही कर लिए।

पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी के रूप में आज हमें आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का दर्शन परिलक्षित होता है। क्योंकि पूज्य ज्ञानमती माता जी ने अपने जीवन में अपने गुरुणां गुरु प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती श्री शांतिसागर जी महाराज के हर आदेश को, हर संदेश को, हर उनकी बातों को, अपने जीवन में अंगीकार किया है।और आज वे उन्हीं शांतिसागर जी महाराज के प्रथम पट्टशिष्य आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज से दीक्षित होकर सन 1956 में माधोराजपुरा (राज.) में इनकी दीक्षा हुई। और आज भी हम सबको विगत 73 साल से लगातार जैन धर्म के पताका फहराने का संदेश, आदेश और आशीर्वाद दे रही है।

ऐसी पूज्य माताजी आज 92 वर्ष की हो रही है। जिन्होंने आचार्य शांतिसागर जी महाराज के साक्षात संदेशों को, उनके साक्षात दिग्दर्शन को, पूरे विश्व में गुंजायमान किया है। पूज्य माताजी का कोई भी प्रवचन ऐसा नहीं होता है। जब वे शांतिसागर जी महाराज के बारे में कोई विषय, कोई बात, ना बताए या उनकी जयजयकार ना करें। आज ऐसे शिष्यों का मिलना भी बहुत अनूठा है। जो अपने गुरु के भी गुरु, गुरुणां गुरु, गुरु और समस्त गुरु परम्परा को आज इस प्रकार से प्रभावित, प्रसारित करती हैं, की पूरे देश में हम सब एक आदर्श गुरु परंपरा को प्राप्त करते हैं।

आचार्य शांतिसागर जी महाराज हमारी पूरी जैन समाज के आदर्श हैं। पूरी संत समुदाय के आदर्श हैं। उनकी ही बातों को, उनके ही बताए मार्ग को, पालन करते हुए आज हमारे जैन समाज के दिगंबर जैन समाज के सारे संत समुदाय, आर्यिका माताएं, दिगंबर मुनि सभी लोग उनके बतायें मार्ग पर मुलाचार ग्रंथ में बताई बातोंका पालन कर रहे हैं। ऐसे आचार्य शांतिसागर जी महाराज के प्रती हमारा शत शत नमन हैं। आनेवाली पिढी भी आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के बतायें संदेशो और मार्ग पर चलते हुये जैन धर्म की पताका को फैराती रहे ऐसी मंगल भावना हैं। -**अभिषेक अशोक पाटील**

जहां विचारों की शांति होती है वहां अधिकार नहीं होते : आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज

भोपाल (विश्व परिवार)। अधिकारों से विचारों में शांति नहीं आती जहां विचारों की शांति होती है वहां अधिकार नहीं होते। उपरोक्त उद्गार चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ने श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के चतुर्थ दिवस विचार ग्रंथ के विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि शिवराज सिंह चौहान जो कि भारत सरकार के कृषी मंत्री एवं मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मुख्यमंत्री है, को सूत्र देते हुये कहा कि देखो जानो और जाने दो कि रीती नीती से चलोगे तो कभी आपको कष्ट नहीं होगा आचार्य श्री ने कहा कि किसी के प्राण लैनाभारत का धर्म नहीं है

जो देश विश्व का विनाश करने की धमकी दे रहे है उन देशों को समझ लैना चाहिये कि भारत ने आचरण पर विश्वास रखा है,और जिसने आंख गरम की उन आंखों को ठंडा भी किया है,यही दृष्टि मोक्षमार्ग की है आचार्य श्री ने कहा कि भारत की इस भूमी पर भगवान ऋषभदेव ने राज्य किया और जिस देश को कभी भरत चकृवर्ती ने सम्हाला उस देश का नाम इन्ही चकृवर्ती के नाम से भारत पड़ा आचार्य श्री ने शिवराज सिंह जी को सम्बोधित करते हुये कहा बेटी बचाओ बेटी पड़ाओ यह आंदोलन अभी का नहीं है यह सूत्र तो भगवान ऋषभदेव के शासन काल का सूत्र है,भारतीय संस्कृति में सबसे पहले शिक्षा दी तो वह ब्राह्मी और सुंदरी नाम की बेटियों को दी थी भारत कृषी प्रधान देश यू ही नहीं बना भगवान ऋषभ देव ने कहा कि ऋषी वनो या कृषी बनो भोजन देता है कृषी और भजन देता है प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया 60 मिनट के इस प्रवचन को मुख्य अतिथि शिवराज सिंह जी भी एकटक सुनते रहे आचार्य श्री ने कहा किकिसी के प्राण लैना भारत का धर्म नहीं है उन्होंने कहा कि भारत की सभी बेटिओं को आव्हान करते हुये कहा कि चहरा मत देखो धर्म देखो बंश देखो भारतीय संस्कृति को जीवित रखना है तो अपना जीवनसाथी अपने ही धर्म और रीती रिवाज का चुनों किसी मांसाहारी के रीती रिवाज का नहीं तभी आपका धर्म और जीवन सुरक्षित है इस अवसर पर मुख्य अतिथि शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि संतों का सान्निध्य मिलना दुर्लभ सौभाग्य है, जब मेरे से पूंछा गया कि आपके पास कितना समय है तो मैंने कहा समय ही समय है में आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज का शिष्य हूं और आज तो आपके विचार ग्रंथ का विमोचन है और सारा खेल विचारों का ही है यह सारा संसार विचारों की ही उत्पत्ति है अच्छे विचारों से जीवन है तथा बुरे विचारों से ही पतन है उन्होंने बाल्मीकि कथा सुनाते हुये कहा कि परिवार में कोई उनकेपापों का कोई भागीदार नही मिला और एक घटना ने उनको डाकू से संत बना दिया उन्होंने कहा कि यह स्वार्थी संसार है और आपने जो विचार ग्रंथ लिखा है उस ग्रंथ से कई लोगों की जिंदगी बदलेगी। -**अविनाश जैन**

काल परिवर्तित होते हैं और धर्म सार्थी के रुप में महान पुरुष धर्मस्थ को प्रवाहित करते रहते हैं : मुनी श्री सिद्धसागर जी

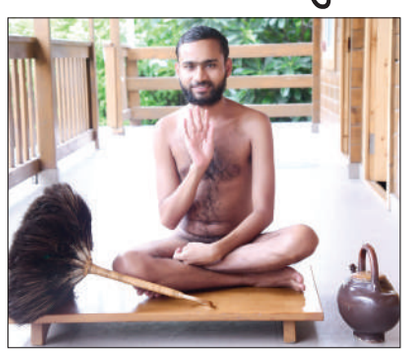

दौण्ड/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद कोल्हापुर के कार्याध्यक्ष श्री अभिषेक अशोक पाटील, कोल्हापुर ने कहा कि, श्रमण मुनि श्री सारस्वत सागर जी महाराज, श्रमण मुनि श्री जयंत सागर जी महाराज, श्रमण मुनि श्री सिद्ध सागर जी महाराज और क्षुल्लक श्री श्रुत सागर जी महाराज जी का मंगल विहार इंदोर से नांद्रे की ओर शुरु है। श्रमण मुनी श्री सिद्धसागर जी महाराज जी ने अपने प्रवचन में कहा कि समय परिणमनशील है, काल परिवर्तित होते है और धर्म सार्थी के रुप में महान पुरुष धर्मस्थ को प्रवाहित करते रहते हैं। इनकी पुण्य वर्गणाओ से शितील हुआ धर्मरथ गती प्राप्त करता है और अनेको जीव चल पडते है भगवत्ता प्राप्त करने के लिए।

सम्प्रति मे ऐसे ही महापुरुष आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ने आकाश सम धर्म को विस्तार प्रदान किया। गुरुदेव का जन्म मध्य प्रदेश के भिंड जिला के रूर ग्राम में हुआ। यह वही भिंड जिला जिसे कभी डाकुओ के शहर के नाम से जाना जाता था। परंतु जब से आचार्य भगवन का जन्म हुआ उनकी पुण्य वर्गणाओ के प्रभाव से अब यह शहर साधूओ की नगरी के नाम से संपुर्ण भारत में प्रसिद्ध है। इस नगर से अनेको मुनी, आर्यिका और व्रति बन चुके है। मेरा सौभाग्य रहा जिस ग्राम रूर में जिस परिवार में आचार्य भगवन श्री विशुद्धसागर महाराज जी का जन्म हुआ उसी घर में मेरा भी जन्म हुआ। बुंदेलखंड में कहते है पुत के लक्षण पालन में दिख जाते है। आचार्य श्री बचपन से ही धार्मिक प्रवृत्ती के रहे, घर में रहते थे तब ही अल्प आयु में समयसार जैसे महान ग्रंथ का स्वाध्याय करते थे। आचार्य श्री किवमाता को गुरुजी के जन्म के पहले क्षेत्र वंदना करने के भाव आते थे। स्वप्न में मुनीराज के दर्शन होते थे। यही महान आत्मा के आगमन के शुभ चिन्ह कहलाता है। 16 वर्ष कि अल्प आयु में ही गणाचार्य भगवन विरागसागर महाराज से दिक्षा धारण कर अध्यात्म के सरोवर में प्रवेश कर ऐसी डुबकी लगाई कि फिर कभी आचार्य श्री ने पीछे नहीं देखा। समयसार, प्रवचनसार जैसे महान ग्रंथो पर भव्य जीवो के लिए देशना प्रदान कर जिनशासन को अध्यात्म सरोवर में डुबकी लगवा दी। -**अभिषेक अशोक पाटील**

महात्मा गांधी मार्ग व्यापारी विकास संघ की सत्र 2025-28 के लिए कार्यकारिणी घोषित

रायपुर (विश्व परिवार)। आज महात्मा गांधी मार्ग व्यापारी विकास संघ के मनोनीत अध्यक्ष संजय जादवानी ने सत्र 2025-28 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की एवं पदाधिकारियों का आपस में एक दूसरे से परिचय कराया।

नई कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए उन्होंने जैन विकास सिपानी-महामंत्री, परेश पारेख-कोषाध्यक्ष, अमरीक बागल-सह-कोषाध्यक्ष, नरेंद्र सलूजा-सह मंत्री, महेश प्रसाद राय-संगठन मंत्री, निर्मल बैंगानी-सह संगठन मंत्री, घनश्याम पोद्दार-वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विजय रमानी, अशोक मलानी, राम घुरीया-उपाध्यक्ष एवं विक्रम सिंह देव, सुरिंदर सिंह, महेंद्र तलरेजा, अशोक छाबड़ा-संरक्षक एवं मनोहर वाधवानी- कार्यकारी अध्यक्ष पद पर मनोनीत किए।

अपनी द्वितीय पारी में मुख्य रूप से किए जाने वाले कार्यों की योजना बताते हुए अध्यक्ष महोदय ने त्रिवार्षिक सदस्यता शुल्क के संग्रहण एवं प्रत्येक व्यापारी सदस्य को सदस्यता सर्टिफिकेट वितरण का कार्य शीघ्रता से संपन्न करने एवं महात्मा गांधी मार्ग की गलियों के नामकरण की योजना सदस्यों की समक्ष रखी। युवा जोश एवं अनुभवी व्यक्तियों से सजी अपनी कार्यकारिणी सदस्यों को उन्होंने विभिन्न प्रकोष्ठ में नियोजित कर सबकी सहभागिता सुनिश्चित की। नगर निगम प्रकोष्ठ, यातायात प्रकोष्ठ, सुरक्षा व्यवस्था प्रकोष्ठ, सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रकोष्ठ के निर्माण में स्व स्फूर्त होकर सदस्यों ने अपने नाम लिखे जाने की पहल की। इस अवसर पर सुरेश वाधवानी, यश नेभानी, शिवम चांदवानी, सुनील माधवानी, संकेत साहू, सुशील माखीजा, सुरेश जेठानी, प्रमोद अग्रवाल, शंकर चक्रवर्ती एवं टीकम होतवानी सहित सभी कार्य समिति सदस्य उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का नव मनोनीत महामंत्री श्री जैन विकास सिपानी ने आभार व्यक्त किया। तत्पश्चात सभी सदस्यों ने हाल ही में अहमदाबाद में हुई दुखद हवाई दुर्घटना में असमय काल कवलित हुए देशवासियों की आत्मा की शांति एवं उच्च गति की कामना करते हुए मौन श्रद्धांजलि समर्पित की।

एनआईटी रायपुर में 5-दिवसीय योग प्रोटोकॉल कैंप का हुआ शुभारंभ, 5 दिनों तक सिखाए जाएँगे विभिन्न योग आसन

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2025) के उपलक्ष्य में एक 5-दिवसीय योग प्रोटोकॉल अभ्यास सत्र का आयोजन किया जा रहा है जिसका शुभारंभ 16 जून 2025 को किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर व्यापक रूप से लोग योग कर सकें इसके लिए आयुष मंत्रालय द्वारा 45 मिनट का %योग प्रोटोकॉल% तैयार किया गया है, जो कि प्रत्येक आयुवर्ग के लोगो एवं प्रारम्भिक योग अभ्यर्थियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस सत्र का उद्देश्य %योग प्रोटोकॉल% से परिचित कराना है, जिससे एन आई टी परिसर के शिक्षकों, कर्मचारियों, उनके परिवारजनों एवं शोधार्थियों के साथ -साथ जन सामान्य भी लाभान्वित हो सके।

यह सत्र 16 जून 2025 से 20 जून 2025 तक प्रतिदिन प्रात: 7:00 बजे से 8:00 बजे तक डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम (योग हॉल) हॉल एनआईटी रायपुर में आयोजित किया जा रहा है।

इस कैंप के पहले दिन योग विशेषज्ञ श्री सूरज निषाद और डॉ मंजू शुक्ला के निर्देशन में सभी उपस्थित सदस्यों को विभिन्न योग आसन -प्राणायाम कराए गए। सभी ने इस सत्र का भरपूर लाभ लिया। इस पांच दिनी कैंप में शामिल होने के लिए इक्छुक व्यक्ति डॉ मंजू शुक्ला (7587068170) और श्री सूरज निषाद (9713214096) से संपर्क कर सकते हैं। यह 5-दिवसीय सत्र योग के महत्व और इसके लाभों के प्रति जागरूकता फैलाने में सहायक सिद्ध होगा, जिससे एनआईटी रायपुर द्वारा सभी में समुदाय एवं स्वास्थ्य की भावना का विकास होगा। सभी संबंधित लोगों की सक्रिय भागीदारी इस प्रयास को सफल बनाएगी और दूसरों को भी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करेगी।

एनईएस महाविद्यालय में एल्युमिनी एसोसिएशन का गठन

छात्रों को करियर मार्गदर्शन, नेटवर्किंग और अन्य लाभ मिलेंगे : डॉ. एआर बैरागी

जशपुर (विश्व परिवार)। जिले के अग्रणी महाविद्यालय, जशपुर में हाल ही में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। महाविद्यालय ने अपने पूर्व छात्रों के लिए एक एल्युमिनी एसोसिएशन का गठन किया है, जिसका उद्देश्य संस्थान और उसके पूर्व छात्रों के बीच एक मजबूत संबंध स्थापित करना है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. आर. बैरागी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, एल्युमिनी एसोसिएशन के माध्यम से हम अपने पूर्व छात्रों से जुड़कर उनके अनुभवों और सुझावों से संस्थान को और बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस एसोसिएशन के गठन से छात्रों को करियर मार्गदर्शन, नेटवर्किंग और अन्य लाभ मिलेंगे।

महाविद्यालय आई क्यू ए सी, संयोजक डॉ. ए. के. श्रीवास्तव ने कहा कि एल्युमिनी एसोसिएशन के माध्यम से वे समाज सेवा, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

इस पहल से महाविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी और भी बढ़ेगी साथ ही महाविद्यालय और उसके पूर्व छात्रों के बीच एक मजबूत और सकारात्मक संबंध स्थापित होगा।

नैक प्रभारी डी. आर. राठिया ने बताया कि नैक के मानकों के अनुसार, एक सक्रिय और पंजीकृत एल्युमिनी एसोसिएशन संस्थान के विकास में योगदान करता है, जैसे वित्तीय सहायता, प्लेसमेंट, और पाठ्यक्रम सुधार में मार्गदर्शन। इससे महाविद्यालय की गुणवत्ता में सुधार होता है और ह्रष्ट मान्यता प्राप्ति की संभावना बढ़ती है।

लंबे समय से लंबित चल रहे पंजीकरण की प्रक्रिया को पूर्ण करने हेतु एल्युमिनी एसोसिएशन प्रभारी डॉ. के के प्रसाद एवं डॉ. ए. के. श्रीवास्तव ने आई क्यू ए सी सह संयोजक डॉ विनय तिवारी, सदस्य वरुण श्रीवास, नीतेश गुप्ता के विशेष योगदान एवं सभी सदस्यों के सक्रिय योगदान के लिए सराहना की।

संस्कारों की बगिया बनी बच्चों बच्चों की पाठशाला, पाठशाला महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम, उत्कृष्ट सेवाओं में दीदीयां हुई सम्मानित

ललितपुर (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर महाराज के आर्शीवाद से नगर में संचालित दस पारशालाओं के 20 साल पूर्ण होने पर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अटामंदिर से चर्याशिरोमणि पटटाचार्य विशुद्धसागर महाराज के प्रभावक शिष्य मूनि श्री सौम्यसागर महाराज एवं मुनि श्री जयेन्द्र सागर महाराज के सानिध्य में बीस साल बेमिशाला पाठशाला महोत्सव का आयोजन दिगम्बर जैन पंचायत समिति के तत्वावधान में इन दिनों उत्साह के साथ चल रहा है। पाठशालाओं के संचालक बाल बह्मचारी विधानाचार्य मनोज भैया के मार्गदर्शन में सिद्धचक महामण्डल विधान में प्रात:काल पूजन अभिषेक शान्तिधारा के उपरान्त इन्द्र इंद्राणियों द्वारा भक्तिपूर्वक अर्घ समर्पित हो रहे हैं।

सायंकाल पाठशाला के बच्चो एवं उनको निस्वार्थ धार्मिक एवं संस्कारों का शिक्षण देने वाली दीदीयों द्वारा आकर्षक प्रेरक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का शुभारम्भ आशु जैन कुमहेड़ी द्वारा मंगलाचरण एवं शान्तिनाथ मंदिर गांधीनगर पाठशाला के बच्चों द्वारा भक्तिमुच्य द्वारा किया गया। बडामंदिर पाठशाला की प्रस्तुति गीतों के सरताज खोले नौकरी के राज की प्रसुति में बच्चों ने नौकरी छोड़कर व्यवसाय करने की सीख दी। नुक्कड नाटक, भक्तिनृत्य, क्लासिकल ग्रुप डांस के माध्यम से बच्चो ने जहां अपनी प्रस्तुतियां दी वहीं धार्मिक कविसम्मेलन में मुस्कान, सविता जैन, आकांशा सुरभि, सौम्या रजनी निकिता ओजस्वी, मीनू ने मुनि निंदा, तीर्थ क्षेत्रों पर कब्जा को लेकर जहां तंज कसे वहीं बेटी सस्कारों को लेकर सीख दी। नईकवस्ती पाठशाला द्वारा जिन्दगी जिनकी देश के नाम नाटिका प्रस्तुत की वहीं बच्चों ने सरस्वती स्त्रोत्र, वीतराग स्तोत्र, महावीर स्तोत्र का शुद्धितापूर्ण पाठ किया। कार्यक्रम में पंचायत ने निस्वार्थ सेवा करने वाली दीदियों को 20 साल बेमिशाल कार्यकम में सम्मानित किया। परिचर्चा कार्यक्रम में पाठशाला का हमारे जीवन में योगदान में हिस्सा लेकर शिक्षण कार्य से 20 साल पूर्व जुडी दीदियों ने अपने विचार रखे और पाठशाला को संस्कारों की बगिया बताया। इसके पूर्व प्रातकाल मुनि सौम्य सागर महाराज एवं मुनि जयेन्द्र सागर महाराज ने धर्मसभा में सिद्धों की आराधना को जीवन में श्रेयस्कर बताया और सिद्धचक विधान की महिमा बताई। -**अक्षय अलिया**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर मंगलवार 17 जून 2025

संक्षिप्त समाचार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव एवं सांसद श्री महेश कश्यप ने लाखों के विकास कार्यों का भूमिपूजन

जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में उपनपाल एवं कोण्डावाल में सीसी सड़क ,माता गुड़ी ,आहता निर्माण कार्य का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव व सांसद श्री महेश कश्यप ने किया भूमिपूजन

जगदलपुर (विश्व परिवार)। जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव व सांसद श्री महेश कश्यप ने उपनपाल एवं कोण्डावाल में लाखों के विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। जिसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने उपनपाल में माता गुड़ी निर्माण लागत 7.20 लाख रूपए ,आहता निर्माण लागत 05 लाख रूपए, माता गुड़ी निर्माण लागत 7.20 लाख रूपए,बाली कोंटा में ग्राम कोण्डावाल में सी सी सडक निर्माण 200 मीटर लागत 10.00 लाख रूपए जिसमें सभी कार्यो का कुल लागत 29.40 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। भूमिपूजन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने कहा कि हमारी सरकार के बनने के बाद प्रदेश में चौमुखी विकास कार्य हो रहे हैं। जनता के मांग के अनुरूप विकास कार्य हो रहे हैं, जनता को मूलभूत सुविधाएं देना हमारा दायित्व है। हमारे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में लगातार विकास की बयार बह रही है। क्षेत्र के देवतुल्य जनमानस की मांग के अनुरूप वर्षों से मांग रखा था। क्षेत्र की जनता की मांग के अनुरूप आज सीसी सड़क निर्माण, आहता व अन्य निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया गया। सड़क,नाली,पेयजल, शिक्षा, विधुत व अन्य सुविधाओं को पूरा करने का कार्य कर रहे हैं। जनता के मांग के अनुरूप क्षेत्र में कार्य किया जायेगा। सभी कार्य समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ किया जाएगा। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। विकास अनवरत जारी रहेगा।

वहीं सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद विकास कार्य अनवरत जारी है। पूरे प्रदेश में चौमुखी विकास कार्य हो रहे हैं। हमारी सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे हमारा दायित्व है। हमारी सरकार जनता के सभी मांगों को गारंटी के साथ पूरी कर रही है। हमारे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। आज लाखों रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। जिसका लाभ जनता को मिलेगा। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य श्रीमती बिन्दु साहू,जनपद सदस्य अर्जुन सेठिया, देवकी कश्यप, भूपेन्द्र ठाकुर,मंडल अध्यक्ष महेन्द्र सेठिया, संरपंच वासुदेव गोयल , टेमल कश्यप,सांसद प्रतिनिधि आंनद मोहन मिश्रा, प्रदीप देवांगन, सुरेश गुप्ता,राजेश श्रीवास्तव,राजेश शर्मा, धनश्याम सेठिया,,रैनू बधेल, गणेश , रामचंद्र,रमेश,राधे पन्द्रे, गौरव जोशी , दयाराम, सुरेश,जनपद सीईओ अमित भाटिया एवं क्षेत्र की देवतुल्य जनमानस उपस्थित थे।

33 पौवा अवैध शराब बिक्री के आरोपी पुलिस हिरासत में

धमतरी। धमतरी पुलिस,चौकी बिरेझर को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा ग्राम नवागांव स्थित सरार तालाब के पास दबिश दी गई, जहां आरोपी सफेद प्लास्टिक बोरी में शराब रखकर बिक्री करते पाया गया। मौके पर मौजूद खरीदार पुलिस को देखकर फरार हो गए। आरोपी के पास से जप्त शराब के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुए बिरेझर पुलिस ने आरोपी-: भागवत यादव पिता गजानंद यादव, उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम नवागांव, चौकी बिरेझर, थाना कुरूद, जिला धमतरी को मौके पर रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 33 पौवा देशी मसाला शराब (प्रत्येक 180 द्वद्य, कुल 5.940 बल्क लीटर) जिसकी अनुमानित कीमत3,300/-, तथा शराब बिक्री से प्राप्त नकद रकम170/-, कुल3,470/- की सामग्री जप्त की गई। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध थाना कुरूद में धारा 34(2) छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अपराध दर्ज किया गया एवं आरोपी को धारा 187 बी.एन.एस.एस. के तहत विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड लेकर जेल भेजा गया। इस कार्यवाही में चौकी बिरेझर से प्रआर. शेषनारायण पांडेय, महेश पटेल, हेमु साहू,आर. मिथिलेश डहरिया सैनिक गोवर्धन लहरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला स्तरीय खनिज टॉस्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न

खनिज परिवहन, पर्यावरण संरक्षण और नियामक कार्रवाई पर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिला स्तरीय खनिज टॉस्क फोर्स समिति की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर भगवान सिंह उइके ने की। समिति में शामिल अन्य सदस्यों में पुलिस अधीक्षक निखिल कुमार राखेचा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार चन्द्राकर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजिम विशाल कुमार महाराणा, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) देवभोग तुलसीदास मरकाम, उप वनमण्डलाधिकारी मनोज चन्द्राकर, जिला परिवहन अधिकारी रविन्द्र ठाकुर एवं सहायक खनि अधिकारी रोहित कुमार साहू उपस्थित रहे।

बैठक में खनिज परिवहन, पर्यावरण संरक्षण एवं अवैध उत्खनन पर नियंत्रण हेतु कई अहम निर्देश व सुझाव पारित किए गए। समिति ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि खनिजों का परिवहन करने वाले वाहन अनिवार्य रूप से तारपोलीन से ढंके हों। उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निर्माण कार्यों में प्रयुक्त खनिजों के संबंध में निर्देश दिया गया कि संबंधित ठेकेदारों को अंतिम भुगतान केवल तब किया जाए जब वे रॉयल्टी चुकता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। साथ ही शासकीय निर्माण कार्यों हेतु आवश्यक खनिज की जानकारी संबंधित विभाग द्वारा कलेक्टर कार्यालय (खनिज शाखा) को पहले से उपलब्ध कराई जाए। वन क्षेत्रों में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन अथवा भंडारण से यदि पर्यावरण अथवा वृक्षों को क्षति होती है, तो ऐसे वाहनों को वन अधिनियम के अंतर्गत राजसात करने की कार्रवाई की जाएगी।

पर्यावरण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी को भी अब समिति में सदस्य के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया गया है, जिससे पर्यावरणीय दृष्टिकोण से प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके।

इसके अतिरिक्त परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया कि खनिज वाहनों की ओवरलोडिंग की नियमित जांच की जाए। यदि वाहन निर्धारित भार क्षमता से अधिक खनिज परिवहन करते पाए जाएं, या अभिवहन पास में अंकित मात्रा से अधिक खनिज ले जाते मिले, तो नियमानुसार कार्रवाई कर संबंधित प्रकरण खनिज विभाग को भेजे जाएं, ताकि अतिरिक्त परिवहन की गई खनिज मात्रा पर भी कार्रवाई हो सके।

बैठक में लिए गए निर्णयों से स्पष्ट है कि जिला प्रशासन खनिज दोहन को नियंत्रित करने, पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने एवं खनिज नियमों के सख्त अनुपालन हेतु कटिबद्ध है।

सम्मानित हुए वरिष्ठ पत्रकार जीवन एस साहू, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया सम्मानित

गरियाबंद (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर में आयोजित प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान दैनिक नव प्रदेश के वार्षिक समारोह में गरियाबंद जिले के वरिष्ठ पत्रकार एवं जिला ब्यूरो प्रमुख जीवन एस साहू को उनके चार दशक लंबे पत्रकारिता जीवन और समाज में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने की। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने जीवन एस साहू को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने साहू के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण है, और जीवन साहू जैसे पत्रकार इस भूमिका को सच्ची निष्ठा से निभा रहे हैं। लगभग 38 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय जीवन एस साहू ने गरियाबंद जैसे वनांचल जिले की सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं पर्यटन से जुड़ी खबरों को प्रमुखता से उजागर किया है। उनके विश्लेषणात्मक लेख, खासकर जिले में पाए जाने वाले दुर्लभ रत्न अलेक्जेंडर और किंबरलाइट हीरा पर, न केवल जनता के बीच जागरूकता लाए, बल्कि शासन-प्रशासन का ध्यान भी आकर्षित किया।

इस सम्मान पर गरियाबंद जिले के वरिष्ठ पत्रकारों — भीखु भाई मयाणी, फारुख मेमन, मनोज वर्मा, ज्ञानेश तिवारी, नंदकिशोर फुलझेले, महेन्द्र सहिस, राकेश साहू, गोरेलाल सिन्हा, राधेश्याम सोनवानी, सागर मयाणी, रमेश देवदास, विजय सिन्हा, विजय साहू सहित अनेक पत्रकार साथियों ने उन्हें बधाई दी। वहीं राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों से भी शुभकामनाएं प्राप्त हुईं। भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, गफ्फू मेमन, रिखिराम यादव, आसिफ मेमन, सुरेंद्र सोनटेके, कांग्रेस से बीरू यादव, साबिर खान, कृष्ण कुमार शर्मा, सन्नी मेमन, प्रेम सोनवानी, छगन यादव सहित कई जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने इस उपलब्धि पर जीवन एस साहू को बधाई प्रेषित की।

बहुचर्चित महापौर निधि घोटाले में पूर्व महापौर सफीरा साहू को न्यायालय ने किया तलब-राजेश राय

भाजपा ने जोर-शोर से उठाया था पूर्व महापौर के भ्रष्टाचार का मुद्दा अंजाम तक पहुंचा रही कांग्रेस -राजेश राय

जगदलपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस शासनकाल में बहुचर्चित जगदलपुर महापौर सफीरा साहू पर महापौर निधि के करोड़ों रुपयों के भ्रष्टाचार का मुद्दा यूं तो तत्कालीन मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने जोर-शोर से उठाया था, वर्तमान महापौर संजय पांडे उस दौरान सफीरा साहू को पैर के नाखून से लेकर सर के बाल तक भ्रष्टाचार में डूबे होना बताया था,पर पूर्व महापौर सफीरा साहू के भाजपा प्रवेश करते ही भाजपा ने इस बहुचर्चित महापौर निधि घोटाले को ठंडे बस्ते में डाल दी थी परंतु भाजपा के आरोपों की जांच और आरोपों को सिद्ध करने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी और पूर्व निगम उप नेताप्रतिपक्ष राजेश राय ने आर टी आई के माध्यम से भ्रष्टाचार को उजागर किया और न्यायालय की शरण में पहुंचे,अब न्यायालय ने भी तथ्यों और सबूतों को ध्यान में रखते हुए पूर्व महापौर सफीरा साहू को आगामी 20 जून को न्यायालय में हाजिर होने का आदेश दिया है,

पूर्व नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष राजेश राय ने इसे सच्चाई की जीत की दिशा में न्यायालय के बढ़ते कदम बताया है और कहा है कि भाजपा भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों से समझौता कर सकती है, उन्हें अपनी पार्टी में लेकर संरक्षण दे सकती है परंतु कांग्रेस पार्टी ना कभी भ्रष्टाचार के साथ समझौता किया है और ना कभी करेगी,जनता की गाढ़ी कमाई को जो भी डकारना चाहेगा उसके खिलाफ हम हमेशा खड़े रहेंगे।

12 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता की मौत, इलाके में गम और गुस्सा

सूरजपुर। सूरजपुर जिले में 12 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ हुए जघन्य दुष्कर्म के मामले में एक दुखद मोड़ आया है। घटना के दस दिन बाद, पीड़िता ने रायपुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश फैल गया है। यह दिल दहला देने वाली घटना 1 जून को खड़गवां चौकी क्षेत्र में हुई थी। पीड़िता, जो अपने माता-पिता के साथ अपनी नानी के घर आई थी, को उसी गांव के एक नाबालिग आरोपी ने दुष्कर्म का शिकार बनाया।भय और सदमे के कारण, बच्ची ने छह दिनों तक इस बारे में किसी को नहीं बताया। हालांकि, जब अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी, तो उसे अंबिकापुर के अस्पताल ले जाया गया, जहां इस जघन्य अपराध का खुलासा हुआ। इसके बाद, परिजनों ने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए नाबालिग आरोपी को हिरासत में ले लिया और उसे बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया। पीड़िता की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया था, जहां वह जिंदगी और मौत से जूझ रही थी। दुखद रूप से, शनिवार को उसने अंतिम सांस ली। इस घटना ने पूरे सूरजपुर क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है और लोग न्याय की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने बताया है कि मामले की गहन विवेचना जारी है।

ईडी की कार्रवाई के विरोध में गरियाबंद में कांग्रेसियों का प्रदर्शन, पुतला फूंका

गरियाबंद (विश्व परिवार)। सुकमा में कांग्रेस कार्यालय को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अटैच किए जाने के विरोध में गरियाबंद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष भावसिंह साहू के नेतृत्व में सोमवार को तिरंगा चौक में जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने ईडी का पुतला दहन कर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि ईडी की कार्रवाई पूरी तरह से राजनीतिक द्वेष और बदले की भावना से प्रेरित है। उन्होंने इसे केंद्र सरकार का राजनीतिक हथियार बताते हुए कहा कि भाजपा शासित केंद्र सरकार संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्षी दलों को दबाने का प्रयास कर रही है।

कांग्रेस नेताओं ने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि लोकतांत्रिक आवाज को दबाने की हर कोशिश का जनता मुंहतोड़ जवाब देगी। सुकमा जिला कांग्रेस कार्यालय को अटैच करने की कार्रवाई को उन्होंने अलोकतांत्रिक और निंदनीय बताया।

प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन कांग्रेसियों की नाराजगी और तेवर साफ संकेत दे रहे हैं कि पार्टी इस मुद्दे को लेकर आने वाले दिनों में और भी आक्रामक रुख अपनाएगी।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता उपस्थित रहे। जिनमें प्रमुख रूप से विरु यादव, सन्नी मेमन, राजेश साहू, छगन यादव, रमन कुकरेजा, दिलेश्वर देवांगन, अमित मिरी, मुकेश पांडेय, मुकेश भोई, राम कुमार शर्मा, खोवा लाल सिन्हा, प्रहलाद यादव, कन्हैया सिन्हा, निकी यादव, देवेंद्र यादव और चिंटू यादव शामिल थे।

गरियाबंद में भाजपाई नेतृत्व का भव्य स्वागत, खाद्य आपूर्ति प्रणाली में सुधार की उम्मीदें प्रबल

गरियाबंद (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य भण्डारगृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव और राजिम विधायक रोहित साहू के गरियाबंद नगर आगमन पर जोरदार स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। यह ऐतिहासिक आयोजन दातार राइस मिल प्रांगण में संपन्न हुआ, जहां नगर के प्रमुख व्यापारी संगठनों और गणमान्य नागरिकों ने शॉल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंटकर अतिथियों का आत्मीय अभिनंदन किया।

इस स्वागत समारोह का नेतृत्व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन ने किया। राइस मिल एसोसिएशन और जनरल एवं किराना व्यापारी संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों की ओर से गरियाबंद नगर के गौरव को दर्शाते हुए सामूहिक सहभागिता की गई। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव, उपाध्यक्ष आसिफ मेमन, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश साहू एवं वरिष्ठ नेता रामकुमार साहू की उपस्थिति ने आयोजन को और भी गरिमामय बना दिया।

इस अवसर पर गफ्फू मेमन ने अपने उद्बोधन में राज्य सरकार द्वारा चंदूलाल साहू एवं संजय श्रीवास्तव को सौंपी गई जिम्मेदारियों की सराहना करते हुए कहा कि यह दोनों नेतृत्वकर्ता न केवल जमीनी हकीकत से जुड़े हुए हैं, बल्कि जनहित को सर्वोपरि मानते हैं। इनके नेतृत्व में खाद्य आपूर्ति और भंडारण प्रणाली में पारदर्शिता आएगी और गरीबों को समय पर खाद्यान्न प्राप्त होगा।

राजिम विधायक रोहित साहू ने अपने संबोधन में केंद्र और राज्य सरकार की 'डबल इंजन' रणनीति की सराहना करते हुए कहा, हमारी सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है फिर चाहे वह गरीब हो, किसान हो या व्यापारी। आने वाले समय में और भी योजनाएं लाई जाएंगी, जिनसे समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचे।

व्यापारियों का जबरदस्त समर्थन- राइस मिल एसोसिएशन और व्यापारी संगठनों की ओर से बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य इस आयोजन में उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से हाजी अलारख मेमन, दिनेश सांखला, राकेश शर्मा, अरुण मिश्रा, ललित पारख, राजेश पाण्डेय, रिजवान मेमन, हरीश साहू, हुसैन मेमन, विकास साहू, आमीन मेमन, अमित अवस्थी, पंकज सिन्हा, निखिल साहू, रमीज रहमान, नुरुल खान, चेंबर अध्यक्ष प्रकाशचंद रोहरा, हरीश ठक्कर, अजय दासवानी, इस्माइल मेमन, संजू सोनी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी समुदाय के गणमान्य सदस्य शामिल थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर मंगलवार 17 जून 2025

व्यापार समाचार

पीजी डॉक्टर्स के लिए 'अज़ीम प्रेमजी हेल्थ इक्विटी फ़ेलोशिप'

रायपुर। अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन ने पोस्ट ग्रैजुएट डॉक्टरों के लिए 'अज़ीम प्रेमजी हेल्थ इक्विटी फ़ेलोशिप' की घोषणा की है। यह फ़ेलोशिप 18 महीनों के लिए दी जाएगी, जिसमें डॉक्टरों को ज़मीनी स्तर पर काम करते हुए सीखने के अवसर मिलेंगे। अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन और स्वास्थ्य क्षेत्र में काम कर रहे देश के 11 महत्वनपूर्ण संस्थान मिलकर इस फ़ेलोशिप की शुरुआत कर रहे हैं। ये संस्थान देश के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद हैं। इस फ़ेलोशिप के दौरान डॉक्टरों को जमीनी स्तर पर काम करने के अनुभवों के ज़रिए सीखने को मिलेगा। यह युवा सहभागियों के लिए दूर-दराज़ के क्षेत्रों में रहने वाले कमज़ोर और ज़रूरतमंद समुदायों के लिए कम संसाधनों में काम करते हुए मेडिसिन प्रैक्टिसेस से जुड़ी तमाम पेचीदगियों को स्वास्थ्य क्षेत्र के महारथियों से सीखने का अवसर है। इस फ़ेलोशिप के तहत सहभागी फील्ड पर फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मी के रूप में काम करने का बेशकीमती तजुरबा हासिल कर पाएँगे एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की ज़रूरत के मुताबिक उपलब्ध कराने व लोगों तक पहुँचाने के रास्ते में आने वाली चुनौतियों को समझ पाएँगे तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में आने वाली कई तरह की चुनौतियों सुलझाना सीखते हुए इस क्षेत्र के अनुभवी लोगों और समुदाय के साथ मिलकर काम करना सीख पाएँगे व स्वास्थ्य क्षेत्र में स्थाई बदलाव लाने के काम कर रहे लोगों से जुड़ेंगे।

भारतीय स्टार्टअप्स ने इस हफ्ते जुटाया 184.75 मिलियन डॉलर का फंड

नई दिल्ली। भारतीय स्टार्टअप्स लगातार निवेशकों को आकर्षित करने में कामयाब हो रहे हैं और इस हफ्ते 20 स्टार्टअप्स ने 184.75 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया है। इन स्टार्टअप्स में पांच ने विकास-चरण और 14 ने प्रारंभिक-चरण में फंड जुटाया है, जबकि एक स्टार्टअप ने अपने फंडिंग की जानकारी सार्वजनिक नहीं करने का फैसला किया। इस सप्ताह फंडिंग की कैटेगरी में सीड फंडिंग का बोलबाला रहा। अन्य राउंड में सीरीज ए, प्री-सीड, प्री-सीरीज ए और यहां तक कि सीरीज जी जैसे लेट-स्टेज फंडिंग राउंड भी शामिल थे। इस हफ्ते सबसे ज्यादा बेंगलुरु के नौ स्टार्टअप्स ने फंडिंग जुटाई। उसके बाद दिल्ली-एनसीआर के पांच स्टार्टअप्स फंडिंग जुटाने में कामयाब रहे। इसके अलावा मुंबई, कोलकाता और चेन्नई के भी स्टार्टअप ने निवेश हासिल किया। सेक्टर के हिसाब से, फिनटेक स्टार्टअप्स छह फंडिंग डील्स के साथ शीर्ष पर रहे। डीपटेक और ओटीटी सेक्टर में दो-दो डील्स हुई, जबकि एयरोस्पेस, फूडटेक, ई-कॉमर्स और स्पोर्ट्सटेक जैसे अन्य सेक्टर में भी सकारात्मक ट्रेंड देखने को मिला। इस हफ्ते सबसे ज्यादा फंडिंग कुणाल शाह के नेतृत्व वाली फिनटेक यूनिकॉर्न क्रेड ने हासिल की, जिसने लेथ इन्वेस्टमेंट, आरटीपी ग्लोबल, सोफिना वेंचर्स और क्यूईडी इनोवेशन लैब्स सहित निवेशकों से 72 मिलियन डॉलर जुटाए। वहीं, एमएसएमई पर केंद्रित एक फिनटेक प्लेटफॉर्म फ्लेक्सीलोन्स ने भी अपने सीरीज सी राउंड में 44 मिलियन डॉलर जुटाए, जबकि ईवी कंपोनेंट स्टार्टअप वेकमोकॉन ने अपनी सीरीज ए राउंड में कुल 18 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने लॉन्च की नई 2025 XL750 ट्रांसऐल्प, 'बुकिंग्स शुरू'

गुरुग्राम: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने आज अपनी नई और बहुप्रतीक्षित2025 Honda XL750 Transalp के लॉन्च की घोषणा की। यह मोटरसाइकिल उन राइडर्स के लिए डिज़ाइन की गई है जो सीमाओं से परे स्वतंत्रता की तलाश करते हैं — चाहे वह शहरी सड़कों पर आवागमन हो, लंबी क्रॉस-कंट्री रोड ट्रिप्स हों या फिर दुर्गम ऑफ-रोड एडवेंचर्स।

नई XL750 ट्रांसऐल्प को 10,99,990 (एक्स-शोरूम, गुरुग्राम - हरियाणा)की कीमत पर पेश किया गया है। इसके लिए बुकिंग्स अबहोंडा की बिगविंग डीलरशिप्सपर भारतभर में शुरू हो चुकी हैं। ग्राहकों को इसका डिलीवरी चरणजुलाई 2025 से शुरू होगा।

लॉन्च की घोषणा करते हुए, श्री त्सुत्सुमु ओटानी, प्रबंध निदेशक, अध्यक्ष एवं सीईओ, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडियाने कहा: हम भारत में नई XL750 ट्रांसऐल्पको पेश करते हुए अत्यंत प्रसन्न हैं। अपनी शुरुआत से ही ट्रांसऐल्प एडवेंचर राइडिंग की विश्वसनीय पहचान रही है और इसे दुनियाभर के खोजी राइडर्स ने अपनाया है।इस नए मॉडल में उन्नत फीचर्स और उद्देश्यपूर्ण डिज़ाइन को शामिल किया गया है, जो इसे और भी आकर्षक बनाता है। हमें पूरा विश्वास है कि नई XL750 ट्रांसऐल्प भारत के एडवेंचर प्रेमियों को अत्यधिक उत्साहित करेगी। यह मोटरसाइकिल भारतीय बाज़ार में वैश्विक आइकॉन्स को लाने के प्रति हमारे प्रतिबद्ध प्रयासों को दर्शाती है।

इस अवसर पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए,श्री योगेश माथुर, डायरेक्टर, सेल्स एंड मार्केटिंग, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडियाने कहा:भारत में एडवेंचर मोटरसाइकिल सेगमेंट अत्यधिक तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। हमारे मौजूदा ADV पोर्टफोलियो के प्रति ग्राहकों का उत्साह प्रेरणादायक रहा है।

नई और अपडेटेड XL750 ट्रांसऐल्पकी शुरुआत के साथ हम भारत में एडवेंचर टूअरिंग के लिए एक नई बेंचमार्क स्थापित कर रहे हैं।

पहाड़ों की पुकार अब और तेज़ है — और ट्रांसऐल्प अब स्टाइल, प्रदर्शन और उद्देश्य के साथ उसका उत्तर देने के लिए तैयार है। बुकिंग्स अब देशभर के होंडा बिगविंग डीलरशिप्स पर खुल चुकी हैं, और हम जुलाई 2025 से डिलीवरी प्रारंभ करने के लिए तत्पर हैं।

युवराज सिंह के पिता योगराज ने सेलेक्टर्स पर लगाए गंभीर आरोप

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह अक्सर अपने बयानों के कारण सुर्खियों में बने रहते हैं। एक बार फिर वह चर्चाओं में हैं। इस बार उन्होंने 2011 वर्ल्ड कप के बाद भारतीय क्रिकेट टीम में हुए बदलावों को लेकर सेलेक्टर्स पर हमला बोला है। उनका कहना है कि सेलेक्टर्स ने बिना वजह कई खिलाड़ियों का करियर खत्म कर दिया, इनमें युवराज सिंह, गौतम गंभीर, हरभजन सिंह, वीवीएस लक्ष्मण, राहुल द्रविड़ और मोहम्मद कैफ जैसे नाम शामिल हैं।

दरअसल, योगराज सिंह ने अपने हालिया इंटरव्यू में कहा कि, आपने इन खिलाड़ियों को यूं ही खत्म कर दिया। आपने 2011 वर्ल्ड कप के बाद पूरी टीम तोड़ दी। सात खिलाड़ियों का करियर कूड़े में डाल दिया गया।

साथ ही योगराज सिंह ने पूर्व सेलेक्टर मोहिंदर अमरनाथ और उनकी समिति को भी जमकर लताड़ा है। उन्होंने दावा किया कि 0-4 से इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफहार के बाद एमएस धोनी को कप्तानी से हटाने का फैसला हो चुका था। लेकिन बीसीसीआई के तत्कालीन अध्यक्ष ए श्रीनिवासन ने इस फैसले को रोक दिया। अमरनाथ ने भी पहले स्वीकार किया था कि धोनी को हटाने का फैसला सेलेक्टन कमेटी ने सर्वसम्मति से लिया था लेकिन उसे बीसीसीआई के उच्च स्तर पर रोक दिया गया। अमरनाथ ने काफी साल पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर आप चयनकर्ताओं को स्वतंत्रता नहीं देंगे, तो फिर चयन समिति का क्या मतलब?

बता दें कि, 2011 में भारत को वर्ल्ड कप जिताने वाले कई दिग्गज खिलाड़ी जैसे गंभीर, युवराज, हरभजन और जहीर, 2015 वर्ल्ड कप तक आते-आते पूरी तरह टीम से बाहर हो चुके थे। वहीं राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण ने कुछ समय बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया।

हालांकि, धोनी कप्तान बने रहे और 2014 के आखिर तक टेस्ट टीम की अगुवाई करते रहे। उन्होंने जनवरी 2017 में सीमित ओवरों की कप्तानी भी विराट कोहली को सौंप दी। योगराज सिंह ने इन तीखे बयानों ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट में 2011 के बाद हुए बदलावों और अंदरूनी राजनीति को उजागर किया है।

करुण नायर ने किया बड़ा खुलासा, कहा- प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने दी संन्यास की सलाह...

नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया मौजूदा समय में इंग्लैंड दौरे पर है, जहां भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। वहीं इस दौरे के लिए भारतीय स्क्वॉड में 7 साल के लंबे इंतजार के बाद करुण नायर को भी शामिल किया गया है। करुण ने घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। हालांकि, अब करुण नायर ने एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रमुख क्रिकेटर ने उन्हें संन्यास लेने की सलाह दी थी। 2022 के घरेलू सत्र के बाद नायर को कर्नाटक ने सभी प्रारूपों से बाहर कर दिया।

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने नॉर्थम्पटनशायर के साथ काउंटी चैंपियनशिप अनुबंध से वापसी करने से पहले लगभग 14 महीने तक कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला। नायर ने खुलासा किया कि इस दौरान एक प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने उन्हें सलाह दी कि, टी20 लीग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए संन्यास लेने से उन्हें फइनेंसियल सिक्योरिटी मिलेगी।

नायर ने डेली मेल को इंटरव्यू देते हुए कहा कि, मुझे अभी भी याद है कि एक प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने मुझे फोन करके कहा था कि तुम्हें संन्यास ले लेना चाहिए क्योंकि इन लीग में मिलने वाला पैसा मुझे सरक्षित रखेगा। ऐसा करना आसान होता, लेकिन मुझे पता था कि पैसे की परवाह किए बिना, मैं इतनी आसानी से हार मानने के लिए खुद को कोसता। मैं फिर से भारत केलिए खेलने की कोशिश कभी नहीं छोड़ता। ये सिर्फ दो साल पहले की बात है और देखिए हम अब कहां हैं। ये पागलपन है लेकिन अंदर से मुझे पता था कि मैं काफी बेहतर हूं।

कुलदीप यादव ने मंगेतर संग इंस्टाग्राम पर पोस्ट की खूबसूरत तस्वीर, लेकिन अचानक कर दी डिलीट

नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के बेहतरीन गेंदबाज कुलदीप यादव ने हाल ही में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका से सगाई की थी। 4 जून को लखनऊ में एक निजी समारोह में दोनों ने सगाई की। इस समारोह में उनके करीबी दोस्त और परिवार वाले शामिल हुए। टीम के साथी रिंकू सिंह भी वहां मौजूद थे। वहीं सगाई के बाद कुलदीप इंग्लैंड दौरे पर हैं जहां वो 20 जून से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारियों में जुटे हैं। वहीं नवंबर में उनकी शादी की संभावना जताई जा रही है।

दरअसल, बता दें कि कुलदीप यादव ने इंस्टाग्राम पर अपनी सगाई की एक तस्वीर शेयर की थी, लेकिन बाद में उन्होंने उसे हटा दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया ये कोई नहीं जानता। बता दें कि, वंशिका लखनऊ के श्याम नगर की रहने वाली हैं और खुश में काम करती हैं। कुलदीप के लिए ये एक बड़ी खुशी का मौका है। इंग्लैंड दौरे पर कुलदीप एकमात्र स्पिन गेंदबाज हैं, उन्होंने इंग्लैंड में सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला है। जिसमें उन्होंने 9 ओवर गेंदबाजी की थी। माना जा रहा है कि, कुलदीप इंग्लैंड के खिलाफटीम इंडिया के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं।

फिलहाल कुलदीप यादव ने जो तस्वीरें डिलीट की उनमें कुलदीप यादव ब्लैक कलर के कोट पैंट में दिख रहे थे वहीं उनकी मंगेतर वंशिका व्हाइट गाउन में दिख रही थीं। उनकी इन तस्वीरों को देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि, कुलदीप ने लंदन में वंशिका से क्रिश्चन वेडिंग कर ली है। फैंस इन तस्वीरों को लगातार सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं।

इजरायल-ईरान युद्ध में इस एथलीट की दर्दनाक मौत, ट्रेनिंग से लौट रहे थे घर

नईदिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच जंग गंभीर मोड़ पर पहुंच चुका है। दोनों तरफ से एक-दूसरे के खिलाफहमले जारी है। जिस तरह के हालात बने हुए हैं उसे देखकर लगता नहीं कि जंग जल्द खत्म होगी। वहीं इस युद्ध में दोनों ही तरफ से कई लोगों के मारे जाने की खबर है। फिलहाल, इजरायल की ओर से हुए हमले में ईरान के सैन्य कमांडरों, वैज्ञानिकों और नागरिकों की मौत हुई है। वहीं राष्ट्रीय पैडल टीम के एक प्रमुख सदस्य पारसा मंसूर की मौत हो गई है। पारसा मंसूर की मौत उस वक्त हुई जब वह ट्रेनिंग के बाद घर लौट रहे थे और मिसाइल हमलों में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया।

वहीं ईरानी अधिकारियों ने इजरायल के इस कृत्य के रूप में कड़ी निंदा करते हुए निर्णायक जवाब देने की कसम खाई है। ईरानी टेनिस महासंघ और खेल समुदाय ने मंसूर की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है

बता दें कि, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए इजरायल की ओर से 13 जून की सुबह तेहरान और अन्य शहरों में कई स्थानों को निशाना बनाया गया। इजरायल का मानना है कि ईरान परमाणु बम बनाने के करीब है। इजरायल और अमेरिका ईरान को कई बार परमाणु कार्यक्रम बंद करने को कह चुका है। ऐसे में इजरायल के निशाने पर ईरान के परमाणु, सैन्य, तेल के डिपो, विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और अन्य खुफिया ठिकाने हैं। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की तरफ से नागरिक को निशाना बनाकर और उनके परिवार और साथियों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। अपने समर्पण और केल कौशल के लिए पहचाने जाने वाले मंसूर को खेल में उभरता सितार माना जाता था।

इजरायल-ईरान संघर्ष, कच्चे तेल की कीमत, फेड और आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते तय होगा शेयर बाजार का रुझान

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। इजरायल-ईरान संघर्ष, कच्चे तेल की कीमत, अमेरिकी फेड पॉलिसी और थोक महंगाई के आंकड़ों से बाजार की चाल प्रभावित होगी। इजरायल-ईरान संघर्ष पूरे विश्व के शेयर बाजारों के लिए अगले हफ्ते अहम फैक्टर होने वाला है। हाल के दिनों में मध्य-पूर्व में संघर्ष का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला था। ब्याज दरों की समीक्षा के लिए अमेरिकी फेड की बैठक 17 जून से लेकर 18 जून तक चलेगी। ऐसे में अगले हफ्ते शेयर बाजार में निवेशकों की निगाहें इस इवेंट पर रहेंगी। इसके अलावा घरेलू स्तर पर 16 जून को मई के थोक महंगाई और ट्रेड बैलेंस डेटा से जुड़े डेटा जारी किए जाएंगे। बाजार इन डेटा पर प्रतिक्रिया दे सकता है। वैश्विक कारणों के चलते बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली देखने को मिली।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में यशस्वी जायसवाल के पास इतिहास रचने का मौका, द्रविड़-वीरेंद्र का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब

नईदिल्ली (एजेंसी)। 20 जून से शुरू हो रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल इतिहास रच सकते हैं। दरअसल, यशस्वी रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने और वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ने के कगार पर हैं। टेस्ट क्रिकेट में 2023 में डेब्यू के बाद से ही ये युवा खिलाड़ी ने अपनी छाप छोड़ी है। उन्हें पहले से ही दुनिया के बेहतरीन युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है। बाएं हाथ का ये बल्लेबाज रिकॉर्ड बुक में अपना नाम और दर्ज करा सकता है। उसके पास टेस्ट में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का सुनहरा मौका है।

यशस्वी जायसवाल ने फिलहा 19 मैच की 36 पारियों में 52.88 के औसत से 1789 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम चार शतक और दस अर्द्धशतक हैं। अगर वह अगली तीन पारियों में 2000 रन का आंकड़ा पूरा करने में सफल हो जाते हैं तो वह टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेज 2000 रन बनाने के मामले में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को पछाड़ सकते हैं। द्रविड़ और सहवाग दोनों ने 40 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी। ऐसे में जायसवाल के पास इंग्लैंड में आगामी सीरीज में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का बेहतरीन मौका होगा।

यशस्वी जायसवाल के लिए इंग्लैंड की परिस्थितियों में ओपनिंग करने की चुनौती आसान नहीं होगी। दौरे की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। इंग्लैंड लायंस के खिलाफअभ्यास मैच में चार पारियों में उन्होंने सिर्फ एक अर्द्धशतक बनाया। जायसवाल के साथ केएल राहुल पारी की शुरुआत कर सकते हैं, जिन्होंने देश की शुरुआत इंग्लैंड लायंस के खिलाफशतक के साथ की थी और इंट्रा-स्क्वाड मैच में भी अर्धशतक बनाया था।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 17 जून 2025

छत्तीसगढ़ में रेत के उत्खनन और परिवहन पर लगा प्रतिबंध

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ में नदी-नालों में रेत खदानों से रेत के उत्खनन और परिवहन पर अब प्रतिबंध लग गया है. रेत खदानें अब 15 अक्टूबर के बाद ही चालू हो पाएंगी. अगले चार महीने तक रेत कारोबारियों की मनमानी चलेगी और आम उपभोक्ताओं को मकान या अन्य निर्माण कार्यों के लिए महंगे दाम पर रेत मिलेगी. मानूसन को देखते हुए कुछ अनुज्ञप्तिधारियों ने लाइसेंस लेकर कई स्थानों पर रेत का भंडारण कर लिया है. वहीं, कई स्थानों पर रेत के अवैध भंडारण की शिकायतें भी मिल रही हैं. खनिज साधन विभाग के अनुसार वर्षाकाल में नदी-नालों में रेत उत्खनन 10 जून से 15 अक्टूबर तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा.

संक्षिप्त समाचार

जिले स्कूलों में मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव, बच्चों का तिलक लगाकर किया गया स्वागत, खिलाई गई मिठाई

रायपुर (विश्व परिवार)। जिले के सभी स्कूलों में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। जिसमें सुबह बच्चों स्कूल में का तिलक लगाकर स्वागत किया, मिठाई खिलाई गई। उन्हें जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में नए गणवेश दिए गए और पुस्तकों का भी वितरण किया गया। बच्चों में उमंग था और चेहरें में मुस्कुराहट थी। जहां जनप्रतिनिधियों-शिक्षकों ने लक्ष्य प्राप्त करने का आव्हान किया। वहीं विद्यार्थियों ने अच्छा परिणाम लाने और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने का संकल्प लिया। राजधानी के आत्मानंद शासकीय शहीद स्मारक उत्कृष्ट विद्यालय में विधायक श्री पुरंदर मिश्रा और दानी स्कूल में विधायक श्री सुनील सोनी ने विद्यार्थियों का स्वागत किया।

रायपुर स्टेशन के गुढ़ियारी साइड स्थित आरक्षित एवं अनआरक्षित टिकट काउंटर 17 जून 2025 को 15:00 बजे शिफ्ट होंगे

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के रायपुर स्टेशन के गुढ़ियारी साइड स्थित आरक्षित एवं अनआरक्षित (UTS/PRS) टिकट काउंटर दिनांक 17 जून 2025 को 15:00 बजे शिफ्ट होंगे यह काउंटर प्लेटफार्म नंबर 7 के बाहर पार्किंग के पास शिफ्ट होगा यात्री दिनांक 18 जून 2025 से यथावत आरक्षित एवं अनआरक्षित (UTS/PRS) अस्थाई टिकट काउंटर से टिकट प्राप्त कर सकेंगे। रायपुर स्टेशन पर चल रहे स्टेशन रीडेवलपमेंट कार्यों के कारण ऐसा किया जा रहा है। रेल के विकासात्मक कार्यों में यात्रियों से सहयोग अपेक्षित है।

शाला प्रवेशोत्सव में शामिल हुए केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री अरुण साव

उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

बच्चे बने बाल अतिथि, तिलक लगाकर और मुंह मीठा कर किया गया स्वागत, बच्चों को साइकिल, किताब व बैग वितरित

अरुण साव ने स्कूल में विभिन्न कार्यों के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज बिलासपुर के सरकण्डा स्थित पीएमश्री सेजेस कन्या शाला में आयोजित जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में शामिल हुए। शाला प्रवेशोत्सव उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। उप मुख्यमंत्री तथा बिलासपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने स्कूल में विभिन्न कार्यों के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की।

केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने शाला प्रवेशोत्सव में बाल अतिथियों प्रियांशु, साहिल, प्राची और धनमती का तिलक लगाकर, माला पहनाकर और मुंह मीठा कर स्वागत किया। कार्यक्रम में बच्चों को बैग, किताब, ड्रांइग किट तथा सरस्वती साइकिल योजना के तहत साइकिल वितरण भी किया गया। विधायकगण सर्वश्री धरम लाल कौशिक, दिलीप लहरिया और सुशांत शुक्ला भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने शाला प्रवेशोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि गुरूओं की कृपा से ही उन्नति मिलती है। आज का यह दिन बेहद खास है, इसे हम एक वृहद उत्सव के रूप में मना रहे हैं। उन्होंने बच्चों से कहा कि ये आपके सुनहरे दिन हैं। आने वाले भविष्य की नींव विद्यार्थी काल में ही रखी जाती है। केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री साहू ने बच्चों से कहा कि तनाव लेने की कतई आवश्यकता नहीं है। खूब मन लगाकर पढ़ें। विद्यार्थी जीवन ही पूरे जीवन की बुनियाद होती है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में कहा कि शाला प्रवेशोत्सव का मूल उद्देश्य है कि एक भी बच्चा स्कूल आने से न छूटे। हमारी सरकार शिक्षा के जरिए पूरे समाज को एक साथ जोड़कर विकास का मार्ग प्रशस्त करना चाहती है। शिक्षा केवल डिग्री लेने के लिए नहीं है। शिक्षा और संस्कार दोनों जरूरी है। हमारे राज्य में छात्र और शिक्षक का अनुपात अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि शिक्षा हर एक का अधिकार है। युक्तियुक्तकरण के जरिए अब हर बच्चे को शिक्षा का उसका अधिकार मिल पाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में सभी के लिए शिक्षा सुलभ हो पा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि आज स्कूल का पहला और खास दिन है। आज हम सब संकल्प लें कि पूरे राज्य में अव्वल आकर बिलासपुर का परचम लहराएंगे। उन्होंने शाला प्रबंधन की मांग पर स्कूल में विभिन्न कार्यो के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की।

इंडियन बैंक के कार्यपालक निदेशक आशुतोष चौधरी का छत्तीसगढ़ दौरा

रायपुर (विश्व परिवार)। इंडियन बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री आशुतोष चौधरी दिनांक 16.06.2025 को रायपुर शहर के एक दिवसीय दौरे पर थे। अपने दौरे के दौरान उन्होंने इंडियन बैंक की विशेषीकृत एमएसएमई शाखा का उद्घाटन किया व छत्तीसगढ़ राज्य में इंडियन बैंक द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न बैंकिंग सेवाओं व बैंक के विभिन्न उत्पादों के बारे में जन सामान्य को अवगत कराया। उन्होंने आम जनता के साथ-साथ कॉर्पोरेट ग्राहकों के लाभ के लिए इंडियन बैंक द्वारा की गई विभिन्न डिजिटल पहलों के बारे में भी जानकारी दी तथा बैंकिंग दक्षता और बैंकिंग में ग्राहक अनुभव को बढ़ाने में डिजिटल नवाचार की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला। अपने दौरे के दौरान उन्होंने कॉर्पोरेट ग्राहक बैठक में सभी ग्राहकों को उनकी जरूरत के अनुरूप बेहतर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराते रहने हेतु आश्वस्त किया। श्री चौधरी जी के साथ क्षेत्र महाप्रबंधक कार्यालय भुवनेश्वर से क्षेत्र महाप्रबंधक महोदया श्रीमती एम अरुणा, रायपुर अंचल के अंचल प्रबंधक श्री रूपेश कुमार अग्रवाल एवं उप अंचल प्रबंधक श्री अमित गौरव उपस्थित रहे।

भाजपा जवाहर नगर मंडल ने मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर विकसित भारत संकल्प सभा का किया आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी जिला रायपुर जवाहर नगर मंडल द्वारा भाजपा की केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर संकल्प से सिद्धि तक विकसित भारत संकल्प सभा कार्यक्रम का आयोजन दुलार धर्मशाला बढ़ई पारा रायपुर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रायपुर जिला अध्यक्ष श्री रमेश ठाकुर जी, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिंदी अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा जी व मंडल प्रभारी अर्चना शुक्ला जी उपस्थित थी। साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संदीप जघेल द्वारा की गई। मंच का संचालन महामंत्री रमेश शर्मा द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर द्वारा आज उपस्थित सभी संगठन के प्रमुखों,कार्यकर्ताओं,एवं आम नागरिकों से विकसित भारत 2047 संकल्प पत्र के माध्यम से सभी को शपथ भी दिलवाई उपस्थित सभी भाजपा जिले एवं मंडल के सदस्यों द्वारा मुख्यवक्ता,कार्यक्रम प्रभारी,विशेष अतिथि गणों का पुष्प हार एवं भगवा गमछा पहना कर सम्मान किया गया। अपने संबोधन में मुख्य वक्ता रमेश ठाकुर जी ने भाजपा की केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकसित भारत के अमृत काल मे सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के विकास की नई यात्रा तय की है। मोदी सरकार की हर योजना केन्द्र की जनकल्याण और आम नागरिक के जीवन को आसान करने के साथ- साथ देश को वैश्विक स्तर पर नए आयाम देने की भावना रही है।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष के दौरान सशक्त भारत सुरक्षित भारत का सपना साकार हुआ है जहां आतंकवादीयो के खिलाफ कठोर और निर्णयक कार्यवाही हो रही है वहीं रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और सामाजिक शक्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा कर भारत ने अपनी सुरक्षा को अटूट बनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की दूरदर्शी नीतियों ने भारत को वैश्विक मंच पर एक प्रभावशाली और सम्मानित सुरक्षा स्तंभ के रूप में स्थापित किया है यही सशक्त भारत सुरक्षित भारत का सच है यहां विकास और सुरक्षा एक साथ मौजूद हो रही है। जहां नारी शक्ति विकास की परिधि से निकलकर केंद्र में आई है वहीं मध्यम वर्ग को रोजमर्रा की जिंदगी में सम्मान मिला है किसानों के बजट में बढ़ोतरी हुआ, गरीबों को 4 करोड़ प्रधानमंत्री आवास दिया जा चुका है तथा सरकार पुन: 3 करोड़ आवासों को देने की व्यवस्था कर रही है।

आज हमारी सरकार सबका साथ सबका विकास के साथ आगे बढ़ रही है सरकार गरीब को 5 लाख का मुफ्त इलाज के साथ ही साथ बुजुर्गों को भी बेहतर इलाज हो इसके लिए भी 5 लाख का मुफ्त इलाज दे रही है आज 70 वर्ष के ऊपर सभी को मुफ्त मुहैया करा रही है सभी बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बन रहा है आज मोदी जी के नेतृत्व में भारत मजबूत सशक्त एवं विकसित भारत बन रहा है हमारी सरकार गरीब बेटियों की चिंता कर रही है जहां बेटीयो को सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ दे रही है, वहीं पढ़ाई के साथ साथ ही, गरीब कन्याओं के विवाह में 1 लाख रूपये की मदद भी कर रही है।

विकसित भारत सिर्फ एक योजना नहीं एक सपना है यह वह सपना है जिसका मतलब केवल आर्थिक विकास नहीं बल्कि देश के हर नागरिक के सपने और उम्मीदों का प्रतिबिंब है।

बिजली शिकायत का सिस्टम अपग्रेड करने आज 4 घंटे आंशिक रूप से बाधित रहेगी 1912 कॉलिंग सेवा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की 1912 टेलीफोन शिकायत प्रणाली की सेवाएं कल 17 जून को चार घंटे के लिये आंशिक रूप से बाधित रहेगी। इस दौरान कालिंग सुविधा में वृद्धि करने सिस्टम अपग्रेडेशन का कार्य किया जाएगा।

प्रदेश के 65 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को त्वरित शिकायत निवारण सिस्टम के तहत 1912 कालिंग सुविधा दी गई है। जिसमें उपभोक्ता कॉल करके शिकायत दर्ज कराते हैं। इसकी सुविधाओं में वृद्धि के लिये कल 17 जून को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक सिस्टम अपग्रेडेशन का कार्य किया जाएगा। इस दौरान कंप्यूटर आधारित दर्ज होने वाली शिकायत रिकार्ड हो सकेगी, केवल चार घंटे तक फोन पर 1912 के प्रतिनिधि से बात नहीं होगी। बाकी सभी 1 से 6 नंबर दबाकर दर्ज कराने वाली उपभोक्ता सेवाएं एवं शिकायत 1912 पर कॉल करके दर्ज करा सकते हैं।

उपभोक्ता सेवाओं में सुधार एवं सेवाओं में निरंतरता बनाए रखने के लिए सिस्टम अपग्रेडेशन सेवाएं आंशिक रूप से बाधित रहेगी, जिसमें केवल उपभोक्ता के कॉल सेंटर प्रतिनिधि से बातचीत नहीं हो पाएगी। 1912 में उपभोक्ता आईवीआरएस में उपलब्ध सुविधाओं, मोर बिजली ऐप, एवं अन्य माध्यम से उपभोक्ता सेवाओं की सुविधा यथावत जारी रहेगी।

ब्रेन स्ट्रोक के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारतीय स्ट्रोक एसोसिएशन ने ब्रेन स्ट्रोक- 'अब समय है एक्शन का अभियान' शुरु किया

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत में ब्रेन स्ट्रोक के बढ़ते मामलों को देखते हुए, भारतीय स्ट्रोक एसोसिएशन, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस, CGAP रायपुर चैप्टर और SEMI ने मिलकर ब्रेन स्ट्रोक: अब समय है एक्शन का नाम का एक जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान का मकसद है- डॉक्टरों और आम लोगों को स्ट्रोक के लक्षण जल्दी पहचानने और समय पर इलाज करने के लिए जागरूक करना।

भारत में हर 20 सेकंड में एक स्ट्रोक होता है और हर साल 18 लाख से ज्यादा लोग इसकी चपेट में आते हैं। इस वजह से अब पूरे देश में एक मजबूत स्ट्रोक एक्शन प्लान बनाना ज़रूरी हो गया है। अभियान के तहत डॉक्टरों के लिए ट्रेनिंग (CME), कार्यशालाएं और आम जनता के लिए जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं, ताकि लोग स्ट्रोक को लेकर सतर्क रहें और समय पर इलाज पा सकें। भारतीय स्ट्रोक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ पी. विजया ने कहा की, ब्रेन स्ट्रोक होने पर तुरंत इलाज बहुत ज़रूरी है। अगर स्ट्रोक खून के थक्के से हुआ हो, तो उसे ठीक करने के लिए एक इंजेक्शन (IV थ्रोम्बोलिसिस) दिया जाता है। लेकिन यह इलाज लक्षण शुरू होने के 4.5 घंटे के अंदर ही काम करता है। हर मिनट में 20 लाख ब्रेन सेल्स (न्यूरॉन्स) नष्ट हो जाते हैं, इसलिए हर सेकंड कीमती है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के जरिए स्थानीय डॉक्टरों को यह सिखाया गया कि कैसे स्ट्रोक मरीजों को जल्दी पहचानें और समय रहते इलाज दें।

दोपहर में हुए जागरूकता कार्यक्रम में Check BP-Stop Stroke अभियान चलाया गया जिसमें ब्लड प्रेशर कंट्रोल, BEFAST फॉर्मूला और Time is Brain जैसे आसान संदेश दिए गए ताकि लोग समय पर सही अस्पताल पहुंच सकें। भारतीय स्ट्रोक एसोसिएशन के सचिव डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा की, यह अभियान देशभर मैं चलाया जाएगा।

स्ट्रोक अब भारत में मौत और अपंगता की एक बड़ी वजह बन चुका है। कई गांव और छोटे शहरों में लोगों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। हमें एंबुलेंस स्टाफ को ट्रेनिंग देना होगी, और टेलीमेडिसिन जैसी सुविधाएं बढ़ानी होंगी, ताकि हर किसी को समय पर इलाज मिल सके-चाहे वो कहीं भी रहते हों। हमें एक मजबूत स्ट्रोक केयर सिस्टम बनाना होगा जिसमें लोगों की शिक्षा, बेहतर अस्पताल सुविधाएं और इमरजेंसी इलाज हो। वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में कई बच्चों को सिकल सेल एनीमिया की वजह से स्ट्रोक होता है। अगर समय रहते इन बच्चों की जांच की जाए, तो स्ट्रोक से बचा जा सकता है। इमरजेंसी डॉक्टर डॉ. संतोष सिंह ने कहा की, स्ट्रोक के मरीज को जितनी जल्दी अस्पताल पहुंचाया जाए, उतना अच्छा इलाज मिल सकता है। इमरजेंसी में सही जांच और जल्दी ब्रेन स्कैन से इलाज की शुरुआत तुरंत हो सकती है।

विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि कैसे डॉक्टर स्ट्रोक के मरीजों को जल्दी पहचान कर इलाज कर सकते हैं। उन्होंने स्ट्रोक की दोबारा होने से बचाव और बच्चों में होने वाले स्ट्रोक के बारे में भी जानकारी दी।

स्ट्रोक के लक्षण पहचानने के लिए BEFAST तरीका बताया गया- B-संतुलन बिगड़ना। E-आंखों की रोशनी धुंधली होना। F-चेहरे का एक हिस्सा टेढ़ा होना।A-एक हाथ में कमजोरी। S-बोलने में परेशानी। T-तुरंत एम्बुलेंस या इमरजेंसी सेवा को बुलाएं।

ब्रेन स्ट्रोक एक इमरजेंसी है। लक्षण जल्दी पहचानें, फौरन एक्शन लें और सही अस्पताल पहुंचें-यही जान बचा सकता है।

कलिंगा विश्वविद्यालय ने इलेक्ट्रिक वाहनों और दो/तीन पहिया वाहनों के लिए अपने दो नए 'उत्कृष्टता केन्द्रों का उद्घाटन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। कलिंगा विश्वविद्यालय ने सोमवार, 16 जून 2025 को अपने परिसर में इलेक्ट्रिक वाहनों पर प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड और दोपहिया और तिपहिया वाहनों की मरम्मत और रखरखाव के लिए जस्टऑटो सॉल्यूशंस के सहयोग से दो नए उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह से हुआ, जो ज्ञान और आत्मज्ञान का प्रतीक है। कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. श्रीधर ने स्वागत भाषण के साथ सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संदीप गांधी ने एक आकर्षक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से विश्वविद्यालय पर बहुमूल्य जानकारी साझा की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि CGPURC के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. विजय कुमार गोयल थे। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड के निदेशक श्री सिद्धार्थ अग्रवाल, जस्ट ऑटो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और सीईओ श्री नवीन चंद्र शर्मा, गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड के निदेशक श्री विनोद पिल्लई, ऑटोमोटिव स्किल्स डेवलपमेंट काउंसिल (एएसडीसी) के लीड-सर्विस एंड आफ्टरमार्केट इनिशिएटिव्स श्री लोकेश और जस्टऑटो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की रणनीतिक कानूनी सलाहकार (स्वैच्छिक) डॉ. मेघा ओझा शामिल थे। ये केंद्र कलिंगा विश्वविद्यालय के छात्रों को 21वीं सदी के नवीनतम वाहनों और प्रौद्योगिकियों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ-साथ विभिन्न तकनीकी संगठनों को तकनीकी प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाएंगे। यह ऑटोमोटिव कौशल विकास के एक नए युग की शुरुआत है।

यह उल्लेखनीय है कि कलिंगा विश्वविद्यालय के परिसर में पहले से ही निम्नलिखित के सहयोग से पांच उत्कृष्टता केंद्र हैं- बॉश द्वारा स्कूल छोड़ने वाले छात्रों (18-25 वर्ष) के लिए उनके शैक्षणिक परिसर में ब्रिज कोर्स की शुरुआत। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में बी.टेक कंप्यूटर साइंस के लिए आईबीएम इनोवेशन सेंटर फॉर एजुकेशन (एआई और एमएल में बीटीसीएस)। औद्योगिक स्वचालन, बड़े डेटा विश्लेषण और IoT अनुप्रयोगों में व्यापक व्यावहारिक शिक्षण अनुभव के लिए टेक्नोविज़ ऑटोमेशन। बीडीएस शिक्षा, वास्तविक दुनिया की परियोजनाओं, कार्यशालाओं और सेमिनारों के साथ कोडिंग, रोबोटिक्स और ड्रोन प्रणालियों जैसी प्रमुख प्रौद्योगिकियों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए। IamSMEofIndia सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) की सहायता और समर्थन करेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कलिंगा विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की, ताकि छात्र अवधारणाओं और उन्नत प्रौद्योगिकियों की बेहतर समझ विकसित कर सकें। अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम का समापन अकादमिक मामलों के डीन और परीक्षा नियंत्रक डॉ. राहुल मिश्रा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके अमूल्य योगदान के लिए उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों और संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सेना भर्ती के लिए ऑनलाइन परीक्षा 30 जून से, पांच शहरों में होंगे सीईई टेस्ट

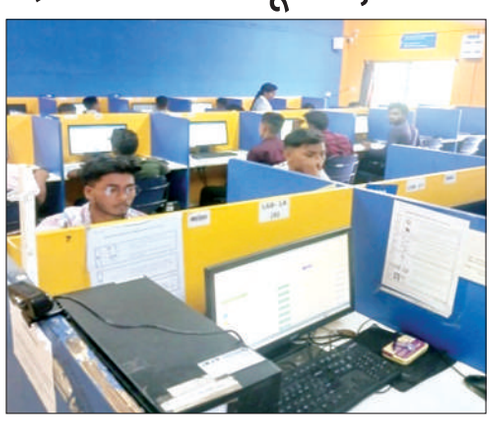

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय सेना द्वारा सेना भर्ती के लिए ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (CEE) की तिथियां घोषित कर दी गई हैं। ज्वाइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट पर पंजीकरण करने वाले उम्मीदवारों के लिए यह परीक्षा 30 जून 2025 से 04 जुलाई 2025 एवं 07 जुलाई 2025 से 10 जुलाई 2025 तक आयोजित की जाएगी। छत्तीसगढ़ के पांच परीक्षा केंद्रों-बिलासपुर, रायपुर, भिलाई (दुर्ग), दुर्ग और जगदलपुर-में प्रतिदिन तीन शिफ्टों में यह ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाएगी।

अग्निवीर क्लर्क/ एस.के.टी पद के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का टाइपिंग टेस्ट भी ऑनलाइन परीक्षा केंद्र पर ही लिया जाएगा। ऐसे उम्मीदवारों के लिए दो अलग-अलग प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे। सभी उम्मीदवारों के प्रवेश पत्र 16 जून 2025 से भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध होंगे।

छत्तीसगढ़ में निर्धारित परीक्षा केंद्र इस प्रकार हैं: बिलासपुर में चौकसी इंजीनियरिंग कॉलेज, मस्तुरी रोड, लाल खदान और डॉ. सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी, करगी रोड, कोटा; रायपुर में आईओएन डिजिटल जोन, सरोना; भिलाई (दुर्ग) में पर्थिवी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, सिर्सकला; दुर्ग में छत्रपति शिवाजी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बालोद रोड और जगदलपुर में गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, धरमपुरा।

भारतीय सेना ने उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वे समय पर अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचें और प्रवेश पत्र में दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें। किसी भी प्रकार की जानकारी या स्पष्टता के लिए उम्मीदवार सेना भर्ती कार्यालय, नया रायपुर (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के समीप) के टेलीफोन नंबर 0771-2965212, 2965214 पर संपर्क कर सकते हैं। सेना भर्ती की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और केवल योग्यता के आधार पर चयन होता है। उम्मीदवारों को दलालों से सावधान रहने की सख्त सलाह दी गई है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354